RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:232 ता. 03 मार्च 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

विकास की गति में अवरोध बनी मोदी सरकार : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय देश ने प्रगति की जो रफ्तार पकड़ी थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उस गति में अवरोध बनी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेतृत्व वाली सरकार ने गरीबों को मजबूती प्रदान कर देश को विकास की रहा दिखाई लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में सिर्फ मित्रों का हित साधा जा रहा है।

श्री गांधी ने कहा, संप्रग सरकार में तेज़ी से आगे बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नरेंद्र मोदी 'स्पीड ब्रेकर' बन गए हैं। कांग्रेस ने गरीबों को मज़बूत कर विकास को गति दी वहीं श्री मोदी चंद मित्रों के फायदे के लिए देश को खोखला कर रहे हैं।

देश की निरंतर प्रगति में नीतियों महत्व देने की जरूरत पर बल देते हुए उन्होंने कहा, नीतियों में देशवासियों को आगे रखे बिना देश का विकास असंभव है। झूठे प्रचार के विपरीत आर्थिक मोर्चे पर भाजपा सरकार कांग्रेस के आस-पास भी नहीं है। आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

मोदी ने बंगाल को 15,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की दी सौगात

कृष्णानगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में 15,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया।

प्रधानमंत्री ने नादिया जिले के कृष्णानगर में आज एक आधिकारिक समारोह में इन परियोजनाओं का अनावरण किया।

उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से बंगाल को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी और अधिक निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए राज्य को बिजली पर आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है जो औद्योगिक विकास, रेलवे नेटवर्क और प्रौद्योगिकियों में मदद करती है।

श्री मोदी ने कहा कि उन्हें बंगाल में 11,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है।

एक बार अत्यधिक विकसित भारत के स्वतंत्र होने के तुरंत बाद उपेक्षा के कारण बंगाल ने धीरे-धीरे अपना महत्व खो दिया।

श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को राज्य के विकास के लिए 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि राज्य पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार है।

अन्य बातों के अलावा, प्रधानमंत्री ने पुरुलिया जिले के रघुनाथपुर में स्थित रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन चरण द्वितीय (2 गुणा 660 मेगावाट) का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दामोदर घाटी निगम की यह कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना अत्यधिक कुशल एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है।

नया प्लांट देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक कदम होगा। इसके अतिरिक्त, मेजिया थर्मल पावर स्टेशन की यूनिट सात और आठ की ग्रिप गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली पर आधारित होगी। लगभग 650 करोड़ रुपये की लागत से विकसित, एफजीडी प्रणाली ग्रिप गैसों से सल्फर डाइऑक्साइड को हटा देगी, स्वच्छ ग्रिप गैस का उत्पादन करेगी और जिप्सम बनाएगी, जिसका उपयोग सीमेंट उद्योग में किया जा सकता है।

श्री मोदी ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-12) (100 किमी) के फरक्का-रायगंज खंड के चार लेन की सड़क परियोजना का भी अनावरण किया। लगभग 1,986 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह परियोजना यातायात की भीड़ को कम करेगी, कनेक्टिविटी में सुधार करेगी और उत्तर बंगाल तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगी।

प्रधानमंत्री ने 940 करोड़ रुपये से अधिक की चार रेल परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं, जिनमें दामोदर-मोहिशिला रेल लाइन के दोहरीकरण की परियोजना, रामपुरहाट और मुरारई के बीच तीसरी लाइन, बाजारसौ-अजीमगंज रेल लाइन का दोहरीकरण, और अजीमगंज और मुर्शिदाबाद को जोड़ने वाली एक नई लाइन भी शामिल है। ये परियोजनाएं रेल कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी, माल ढुलाई की सुविधा प्रदान करेंगी और क्षेत्र में आर्थिक और औद्योगिक विकास में योगदान देंगी।

परियोजनाओं से बंगाल को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी और अधिक निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए राज्य को बिजली पर आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है जो औद्योगिक विकास, रेलवे नेटवर्क और प्रौद्योगिकियों में मदद करती है।

गौतम गंभीर ने लोकसभा चुनाव न लड़ने की जतायी इच्छा

नयी दिल्ली। लोकसभा की पूर्वी दिल्ली सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद गौतम गंभीर ने आगामी लोकसभा चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है।

श्री गंभीर ने भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से उन्हें राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का अनुरोध किया है ताकि वह अपनी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केन्द्रित कर सकें।

उन्होंने श्री नड्डा को संबोधित एक एक्स पोस्ट में कहा कि उन्हें लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिये वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देते हैं।

5 साल के लिए सीमा हैदर जाएगी जेल और बच्चे पाकिस्तान, गुलाम के वकील ने क्यों किया बड़ा दावा

ग्रेटर नोएडा। अपने चार बच्चों के साथ पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल, उसके पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने बच्चों को वापस बुलाने के लिए अब कानूनी मदद ली है। इसके लिए हरियाणा के मोमिन मलिक उसका केस लड़ रहे हैं। मोमिन ने बताया कि सीमा को कम से कम पांच साल की जेल की सजा होगी। इसी के साथ उन्होंने सचिन पर बच्चों का धर्मांतरण कराने का आरोप भी लगाया है।

सचिन के साथ सीमा का अवैध रिश्ता

'आजतक' से बातचीत के दौरान वकील मोमिन मलिक ने कहा, 'सीमा गुलाम हैदर की लीगल वाइफ है। वह सचिन के साथ अवैध रिश्ते में रह रही है, किसी भी तरीके से वह उसकी लीगल पत्नी नहीं है। सीमा ने कोर्ट से जो जमानत ली है उसमें भी उसने खुद को गुलाम हैदर की पत्नी बताया है। सीमा ने पाकिस्तान में तलाक की कोई याचिका नहीं दायर की थी।'

सीमा हैदर को होगी 5 साल की जेल

वकील मोमिन मलिक ने कहा, 'सीमा ने भारत में अवैध तरीके से एंट्री की है, जोकि अपराध है। इसके लिए एफआईआर भी दर्ज हुई है। सुनने में यह भी आया है कि उसने भारत में कुछ फर्जी डॉक्यूमेंट भी बनाए हैं। ऐसे में उसे कम से कम 5 से 7 साल की सजा तो जरूर होगी।'

सचिन पर धर्मांतरण का आरोप

गुलाम हैदर के वकील ने आगे कहा, आपका (सीमा का) ताल्लुक सचिन से है तो रखिए, प्यार में धर्म-जाति तो होता नहीं है, ऐसे में उन बच्चों का धर्मांतरण क्यों किया जा रहा है? बच्चे नाबालिग हैं और अगर उनका कोई धर्म परिवर्तन कराता है तो उसके लिए 3 से 10 साल तक की सजा है।

वकील मोमिन मलिक ने दो टूक कहा कि गुलाम हैदर उन बच्चों का पिता है। इसलिए अपने बच्चों को मांगने का उसे अधिकार है क्योंकि बगैर तलाक के सीमा अवैध रिश्ते में रह रही है। गौरतलब है कि पिछले साल कई देशों का सरहद लांघते हुए सीमा हैदर पाकिस्तान से ग्रेटर नोएडा चली आई। वह यहां अपने आशिक सचिन मीणा के साथ रह रही है। सीमा सोशल मीडिया पर काफी फेमस हो गई है। उसके वीडियो पर लाखों में व्यूज आते हैं। यूट्यूब से अब वह कमाई भी करने लगी है। कई एजेंसियां इस केस की जांच कर रही हैं। दया याचिका दायर कर सीमा ने भारतीय नागरिकता की मांग भी की है।

रामेश्वरम कैफे में बम विस्फोट करने वाला जल्द होगा गिरफ्तार: सिद्दारामैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारामैया ने शनिवार को रामेश्वरम कैफे में विस्फोट के पीछे के व्यक्ति को गिरफ्तार करने का भरोसा जताया क्योंकि सीसीटीवी कैमरों ने उसकी गतिविधियों को कैद कर लिया है। श्री सिद्दारामैया ने कहा कि इस धमाके में 10 लोग घायल हो गए हैं। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह आतंकवादी हमला है या इसके पीछे किसी संगठन का हाथ है। हालांकि पुलिस इस संबंध में जांच कर रही है। श्री सिद्दारामैया ने यह भी कहा कि यह पता लगाने के लिए गहन जांच चल रही है कि क्या वर्ष 2022 के मैंगलुरु कुकर विस्फोट और रामेश्वरम कैफे विस्फोट के बीच कोई समानताएं हैं। बाद में श्री सिद्दारामैया ने फील्ड अस्पताल का दौरा किया और विस्फोट पीड़ितों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार सभी मरीजों के इलाज का खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा,लगभग 10 लोग घायल हैं। तीन यहां ब्रूकफील्ड अस्पताल में हैं, और छह अन्य वैदेही अस्पताल में भर्ती हैं। मैं भी वहां जा रहा हूं। मरीज ठीक हो रहे हैं। इस बीच राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने श्री सिद्दारामैया के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की

पुष्टि की है। उन्होंने कहा,हम अपराह्न एक बजे एक बैठक के लिए सहमत हुए हैं। मुख्यमंत्री बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी बैठक में भाग लेंगे, जो विस्फोट पर चर्चा करेंगे। डॉ. परमेश्वरा ने कहा कि सरकार ने विस्फोट की जांच के लिए टीमें गठित की हैं और आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि विस्फोट के पीछे के व्यक्ति की पहचान कर ली गई है और एआई-संचालित चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करके उसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अपराध शाखा जांच का नेतृत्व कर रही है और उसे पकड़ने की उम्मीद है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कथित हमलावर 25 से 30 वर्ष की आयु का व्यक्ति प्रतीत होता है। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि हमलावर रेस्तरां के ठीक पास एक बस से उतरता है और मास्क पहनकर उसमें प्रवेश करता है, कैश काउंटर पर भुगतान करता है और इसके एवज में रवा इडली के लिए एक टोकन प्राप्त करता है। उनके जाने के लगभग एक घंटे बाद, टाइमर का उपयोग करके बम विस्फोट कर दिया जाता है।

हिमाचल में कांग्रेस की सरकार कायम, बगावतियों पर होगी कार्रवाई : दिग्विजय सिंह

मुरैना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार पर कथित तौर पर संकट को लेकर कहा कि वहां सरकार कायम है और बगावतियों पर समय आने पर कार्रवाई की जाएगी।

श्री सिंह राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए आज यहां आए हुए हैं। इसी मौके पर उन्होंने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार कायम है। सरकार के गिरने की अफवाहें वही षड़यंत्रकारी लोग फैला रहे हैं, जिन्होंने कांग्रेस की सरकारें गिराने का ठेका लिया हुआ है।

उन्होंने कहा कि वक्त आने पर बगावतियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्री गांधी की यात्रा के संदर्भ में श्री सिंह ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य किसानों की आवाज को बुलंद करना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि चंबल क्षेत्र में कांग्रेस कभी कमजोर नहीं रही। उसने यहाँ बेहतर प्रदर्शन किया है। श्री सिंह ने कहा कि इस बार इस क्षेत्र से कांग्रेस लोकसभा चुनाव जीतकर एक नया इतिहास बनाएगी।

पूर्व सीएम गहलोत बोले-

सीएम भजनलाल शर्मा अच्छे व्यक्ति, बीजेपी सरकार चल रही रिमोट पर

भरतपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत धौलपुर जाने के लिए ट्रेन से भरतपुर पहुंचे और यहां से कार के द्वारा धौलपुर के लिए रवाना हुए। इस दौरान पूर्व सीएम ने सीएम भजन लाल शर्मा के लिए कहा कि, वह अच्छे व्यक्ति हैं। नए-नए सीएम बने हैं। अगर उनकी पार्टी उन्हें काम करने देगी तो, उनके जो गलत बयान आ रहे हैं। वह आना बंद हो जाएंगे। जिसके बाद वह पूरे कॉन्फिडेंस से काम कर पाएंगे। हम चाहते हैं वह 5 साल सीएम रहें। जिससे वह व्यक्ति ईमानदारी से काम कर सके।

सीएम भजनलाल शर्मा अच्छे व्यक्ति हैं - गहलोत

सीएम भजन लाल शर्मा ने बयान दिया था कि, पूर्व सीएम अशोक गहलोत 10 किलोमीटर भी हेलीकॉप्टर से चलते थे। जिसको लेकर गहलोत ने कहा कि, अभी उन्हें ज्ञान नहीं हैं कोई 10 किलोमीटर हेलीकॉप्टर से चल सकता है क्या, सीएम के भाषणों में गलत बयानों पर गहलोत ने कहा कि, वह अच्छे व्यक्ति हैं। नए-नए सीएम बने हैं। अगर उनकी पार्टी उन्हें काम करने देगी तो, उनके जो गलत बयान आ रहे हैं। वह आना बंद हो जाएंगे। जिसके बाद वह पूरे कॉन्फिडेंस से काम कर पाएंगे। हम चाहते हैं वह 5 साल सीएम रहें। जिससे वह व्यक्ति ईमानदारी से काम कर सके।सरकार को रिमोट पर चलकर लोकतंत्र की हत्या की जा रही हैबीजेपी द्वारा कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया गया था कि, कांग्रेस तबादला उद्योग चलाती थी जिस पर गहलोत ने कहा कि, मुख्यमंत्री और मंत्री जब शपथ लेता है तो, उन्हें संविधान के अंदर अधिकार मिलते हैं। उसे भी आप रिमोट कंट्रोल पर चलाओ तो यह लोकतंत्र की हत्या है। आप मुख्यमंत्री को हटा सकते हो, पार्टी हाईकमान ने राजेंद्र को हटाया है अलग बात है। मंत्रियों को आप स्विच ऑफ कर सकते हो लेकिन, ऑथेंटिक कम नहीं कर सकते। जो प्राइवेट सेक्रेटरी लगते हैं। उन्हें आप अलाउ नहीं कर रहे हो, चीफ सेक्रेटरी वह पूरी तरह डिस्टर्ब कर रहा है सभी को, मंत्री जाकर गिड़गिड़ाते हैं उनके सामने, मैंने खाली आगाह किया है। इससे गवर्नेंस पर फर्क पड़ता है।सीएम को कोई अधिकार नहीं दियाप्रदेश की जनता कहती है। तीन महीने हो गए हैं। सरकार कौन चला रहा है पता नहीं लग रहा है। भरतपुर के ही लोग डेमोनाइज हैं। भजन लाल शर्मा मुख्यमंत्री बन गए उन्हें कोई अधिकार नहीं दिया जा रहा है। वह रिमोट से क्यों चल रहे हैं। प्रदेश में रेप की घटनाएं हो रहीं हैं। हमारे ऊपर आरोप लगते हैं प्रदेश रेप की राजधानी बन गई। राजधानी अब बनी गई है। हालात बहुत गंभीर हैं। घटनाएं हो रहीं हैं कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।गलत ब्लड चढ़ने से युवक की मौतगलत ब्लड़ चढ़ाने से 25 साल का लड़के की मौत हो गई।

केन्द्र , त्रिपुरा और टिपरा मोथा के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शनिवार को यहां केन्द्र सरकार, त्रिपुरा सरकार और द इंडीजिनीयस प्रोग्रेसिव रिजनल एलासंय (तिपरा) जिसे टिपरा मोथा के नाम से जाना जाता है तथा अन्य हितधारकों के बीच राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

श्री शाह ने इस मौके पर कहा कि यह त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से इतिहास का सम्मान, गलतियों में सुधार और वास्तविकता को स्वीकार करते हुए तीनों का सामंजस्य कर भविष्य की ओर देखने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि इतिहास को कोई बदल नहीं सकता लेकिन गलतियों से सीखकर वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर आगे जरुर बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि टिपरा मोथा और सभी जनजातीय पार्टियों ने इस दिशा में बहुत रचनात्मक भूमिका निभाई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि त्रिपुरा सरकार ने इसके लिए शुरू से बहुत प्रयास किए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकसित भारत के प्रधानमंत्री के स्वप्न में त्रिपुरा भी अपने योगदान और हिस्से के प्रति कटिबद्ध होगा और एक विकसित त्रिपुरा के रूप में आगे बढ़ेगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने उग्रवादमुक्त, विवादमुक्त और हिंसामुक्त पूर्वोत्तर की कल्पना को साकार करने का प्रयास किया है। लगभग 10 हज़ार लोग हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आए हैं और इसी के कारण पूर्वोत्तर में विकास का माहौल बना है।

श्री शाह ने कहा कि चाहे ब्रू-रियांग समझौता हो या सीमाओं का समझौता हो, इनकी शुरूआत त्रिपुरा से ही हुई थी और अब ये समझौता भी त्रिपुरा का ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2019 में

एनएलएफटी (एसडी), 2020 में ब्रू और बोडो समझौते, 2021 में कार्बी-आंगलोंग, 2022 में आदिवासी समझौता और अमस डुमेघालय सीमा समझौता, 2023 में असम अरुणाचल सीमा समझौता, दिमासा समझौता, यूएनएलएफ और उल्फा समझौता हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कुल 11 अलग-अलग समझौतों के माध्यम से सीमाओं, पहचान, भाषा, संस्कृति के लिए संघर्ष कर रहे लोगों के साथ बात कर संघर्ष समाप्त करने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के साथ ही राज्य एक विवादमुक्त त्रिपुरा की ओर आगे बढ़ा है। गृह मंत्री ने कहा ,÷ आपके अधिकारों के लिए अब आपको संघर्ष, नहीं करना पड़ेगा और भारत सरकार दो कदम आगे बढ़कर सभी के अधिकारों की रक्षा हो, इस प्रकार का तंत्र विकसित करेगी।÷

समझौते के तहत त्रिपुरा के मूल निवासियों के इतिहास, भूमि और राजनीतिक अधिकारों, आर्थिक विकास, पहचान, संस्कृति और भाषा से संबंधित सभी मुद्दों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने पर सहमति बनी। इसके साथ ही सम्माननीय समाधान सुनिश्चित करने के लिए, समझौते के तहत इन मुद्दों से संबंधित पारस्परिक सहमति वाले बिंदुओं पर निर्धारित समयसीमा में अमल के लिए एक संयुक्त कार्य समूह अथवा समिति के गठन पर भी सहमति बनी। समझौते पर अमल के लिए अनुकूल माहौल बनाए रखने के लिए सभी हितधारकों के बीच समझौता लागू होने के दिन से किसी भी प्रकार के विरोध या आंदोलन का सहारा नहीं लेने पर भी सहमति बनी।

तिपरा की ओर से इसके संस्थापक प्रद्युत देबबर्मा और अन्य ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रोफेसर माणिक साहा, त्रिपुरा और केन्द्रीय गृह मंत्रालय और त्रिपुरा सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस से खफा विक्रमादित्य ने फेसबुक प्रोफाइल से हटाया पार्टी का नाम

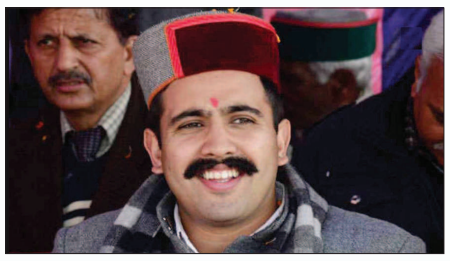

शिमला। हिमाचल प्रदेश का सियासी तुफान अभी पूरी तरह थमा नहीं है। इसके संकेत कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह ने दे दिए हैं। उन्होंने अपनी फेसबुक प्रोफाइल से पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर और कांग्रेस हटा दिया है। इसके बाद उनके कांग्रेस छोड़ने की चर्चा तेज हो गई है।सुक्खू सरकार से नाराज चल रहे विक्रमादित्य सिंह कांग्रेस छोड़ सकते हैं। उन्होंने अपने फेसबुक प्रोफाइल से पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर और कांग्रेस हटा दिया है। इसकी जगह पर हिमाचल का सेवक लिखा है। विक्रमादित्य सिंह ने दिल्ली में डेरा डाले हैं। दिल्ली पहुंचने से पहले उन्होंने अयोग्य घोषित किए गए कांग्रेस के छह विधायकों से हरियाणा के पंचकूला में मुलाकात की। इसके अलावा पूर्व में सुक्खू सरकार के कामकाज पर असंतोष व्यक्त कर चुकीं प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह कुछ कार्यक्रमों के लिए दिल्ली गए हैं और कांग्रेस आलाकमान से भी मिलेंगे। इधर, अयोग्य ठहराए गए विधायकों में से एक राजेंद्र राणा ने कहा था कि संबंधित छह विधायक विधानसभा अध्यक्ष के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। बागी विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद सदन में विधायकों की कुल संख्या 68 से घटकर 62 रह गई है तथा इस क्रम में कांग्रेस विधायकों की संख्या 40 से घटकर 34 हो गई है। विधानसभा में बीजेपी के 25 और तीन निर्दलीय विधायक हैं। कांग्रेस के छह बागी विधायकों सहित तीनों निर्दलीय विधायकों ने भी बीजेपी के राज्यसभा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान किया था।

अनंत-राधिका की प्री-वेडिंग में रेहाना ने जीता दिल, कहा आई लव इंडिया

नई दिल्ली। अमेरिका की पाप सिंगर रेहाना ने आई लव इंडिया कहकर सभी का दिल जीत लिया है। बता दें कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग फंक्शन की शुरुआत 1 मार्च से हो चुकी हैं। यह फंक्शन 3 मार्च तक चलेगा। इसमें अमेरिका से आईं पॉप सिंगर रिहाना ने अपने अंदाज में हर किसी का दिल जीत लिया। अंबानी की पार्टी के मंच पर जलवा बिखेरने के बाद उन्होंने अपना बयान भी दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में, रिहाना के जामनगर हवाईअड्डे पर पहुंचते ही 'भारत में आपका स्वागत है' पर गायक ने जवाब दिया, 'धन्यवाद' बातचीत के दौरान, रिहाना ने कहा, 'आई लव इंडिया और मैं फिर यहां आना पसंद करेंगी। एक अन्य वीडियो में डायमंड्स गायक को पोज देते हुए दिखाया गया है। एक अन्य वायरल क्लिप में रिहाना को सुरक्षाकर्मियों को गले लगाते और अलविदा कहते हुए भी देखा गया है। बता दें कि इस समय अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग पार्टी सितारों से सजी हुई है, जिसमें शाहरुख खान, सलमान खान, सिद्धार्थ मल्होत्रा, कियारा आडवाणी, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, सारा अली खान, इब्राहिम अली, जान्हवी कपूर, मानुषी छिल्लर, रानी मुखर्जी, मनीष मल्होत्रा, अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, नीतू कपूर, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह सहित कई हस्तियां पार्टी में शामिल हो रही हैं।

वायुसेना के चार यूनिट को एक साथ मिलेगा प्रेसिडेंटस कलर

नई दिल्ली। ये पहला मौका है जब वायुसेना के चार यूनिट को एक साथ प्रेसिडेंटस कलर से सम्मानित किया जा रहा है। राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आठ मार्च को हिंडन वायुसेना स्टेशन में बल की चार यूनिट को राष्ट्रपति के मानक और रंग (कलर) पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 45 स्क्वाड्रन व 221 स्क्वाड्रन को राष्ट्रपति मानक और 11 बेस रिपेयर डिपो व 509 सिग्नल यूनिट को राष्ट्रपति रंग पुरस्कार प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति का मानक सम्मान 45 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन एम सुरेंद्रन और 221 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन शुभांकन प्राप्त करेंगे।वहीं, राष्ट्रपति रंग पुरस्कार 11 बेस रिपेयर डिपो के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर कमोडोर आशुतोष वैद्य और 509 सिग्नल यूनिट के कमांडिंग आफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक शर्मा प्राप्त करेंगे। भारतीय वायुसेना के इतिहास में यह पहला अवसर होगा जब चार यूनिटों को एक साथ इन पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।राष्ट्रपति मानक और रंग पुरस्कार किसी भी सशस्त्र बल इकाई के लिए सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। इन चयनित इकाइयों को यह सम्मान पिछले 25 वर्षों के दौरान उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार शांति और युद्ध, दोनों के दौरान इन इकाइयों की परिचालन उत्कृष्टता, समर्पण और प्रमाणित योगदान की एक स्वीकृति है।

लिव इन-रिलेशनशिप इस्लाम में हराम, महिला की याचिका खारिज

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट से लिव इन रिलेशनशिप में रह रही शादीशुदा मुस्लिम महिला की दायर याचिका खारिज कर दिया है। महिला ने जान को खतरा बताकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने याचिका को यह कहकर खारिज किया कि मुस्लिम लॉ के मुताबिक मुस्लिम महिला किसी के साथ लिव इन-रिलेशनशिप में नहीं रह सकती है। लिवइन को इस्लाम में हराम बताया गया है। न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की पीठ ने विवाहित मुस्लिम महिला और उसके हिंदू लिव-इन पार्टनर द्वारा अपने पिता और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ अपनी जान को खतरा होने की आशंका से दायर सुरक्षा याचिका को खारिज करते हुए यह बात कही। न्यायालय ने कहा कि महिला के आपराधिक कृत्य को न्यायालय द्वारा समर्थन और संरक्षण नहीं दिया जा सकता। मुस्लिम कानून (शरीयत) के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए याचिकाकर्ता नंबर 2 के साथ रह रही है, जिसमें कानूनी रूप से विवाहित पत्नी बाहर जाकर शादी नहीं कर सकती है और मुस्लिम महिलाओं के इस कृत्य को ज़िना और हराम के रूप में परिभाषित है। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले की एक महिला लिव इन रिलेशनशिप में अपने प्रेमी की साथ रह रही है। महिला पहले से शादीशुदा है। इसके बाबजूद वह इस समय लिव इन रिलेशनशिप में रह रही है। इस लिव इन रिलेशनशिप से परिवार में नाराजगी है। परिवार वाले के डर की वजह से महिला ने जान का खतरा जताकर हाईकोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई थी, लेकिन कोर्ट ने मामले में सभी तथ्यों को समझने के बाद याचिकाकर्ता को सुरक्षा देने से मना कर दिया।

संघ नेता रुद्रेश की हत्या का आरोपी मोहम्मद गौस नियाजी दक्षिण अफ्रीका में पकड़ गया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसियों को विदेशी धरती पर बड़ी कामयाबी मिली है। साउथ अफ्रीका में एनआईए का मोस्ट वांटेड मोहम्मद गौस नियाजी पकड़ा गया है। गौस चरमपंथी इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफा इंडिया (पीएफआई) का बड़ा चेहरा रहा है। एनआईए ने उस पर पांच लाख का इनाम रखा था। दरअसल, बेंगलुरु में 2016 में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) नेता रुद्रेश की बड़ी बेरहमी के साथ हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद से नयाजी भारत से फरार हो गया था और अलग-अगल देशों में ठिकाना बनाया हुआ था।

राहुल गांधी को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट मोड पर प्रशासन

- महाराष्ट्र के छह जिलों में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

नासिक (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के मौके पर महाराष्ट्र के नासिक आएंगे. नासिक कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के स्वागत की तैयारी की जा रही है. कुछ दिन पहले नासिक पुलिस को राजीव गांधी की तरह राहुल गांधी को बम से उड़ाने की कॉल आई थी. पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है. जानकारी के अनुसार आठदिन पहले नासिक पुलिस मुख्यालय को एक फोन कॉल आई थी जिसमें राहुल गांधी को दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तरह बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी. इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच, आतंकवाद निरोधी दस्ता और अन्य शाखाओं ने मामले की जांच की तो कॉल करने वाले शख्स के बारे में पता चला। शख्स नासिक के गंगापुर इलाके में रहता है और मानसिक बीमारी से पीड़ित है. नासिक पुलिस ने इसकी जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को दे दी है और पुलिस संबंधित व्यक्ति पर नजर रख रही है.

राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ाई गई

साथ ही शख्स पिछले दस साल से शराब पीने का आदी है. शख्स ने नशे की हालत में फोन किया था. इस मामले को गंभीरता से लिया गया है. पूरी रिपोर्ट केंद्रीय जांच एजेंसियों को भेज दी गई है. साथ ही राहुल गांधी के दौरे को लेकर उचित सावधानियां बरती जा रही हैं और सुरक्षा बढ़ा दी गई है.

महाराष्ट्र के छह जिलों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा

इस बीच महाराष्ट्र में भारत जोड़ो न्याय यात्रा कुल 6 जिलों से होकर गुजरेगी. यह यात्रा मालेगांव से महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी और नासिक होते हुए ठाणे में समाप्त होगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी से 20 मार्च तक 15 राज्यों से होकर गुजरेगी. इसमें 110 जिले, लगभग 100 लोकसभा सीटें और 337 विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे। इस यात्रा को पूरा करने में लगभग 66 दिन लगेंगे।

कालाराम मंदिर जाएंगे राहुल गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जनवरी में नासिक के कालाराम मंदिर का दौरा किया था। मोदी और ठाकरे द्वारा कालाराम मंदिर में महापूजा की गई थी। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कालाराम मंदिर के दर्शन करने जा रहे हैं.

देश में उत्साह व्याप्त है, हर क्षेत्र में प्रगति हो रही : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश में उत्साह व्याप्त है और हर क्षेत्र में प्रगति हो रही है। श्री धनखड़ ने शनिवार को धारवाड़ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों और अध्यापकों को संबोधित कर कहा कि भारत का उत्थान अजेय है। देश अभूतपूर्व गति से प्रगति कर रहा है। उपराष्ट्रपति ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे वैश्विक संस्थानों के हालिया बयानों का उल्लेख किया और भारत को निवेश और अवसरों का पसंदीदा गंतव्य बताया। उन्होंने कहा, हम सदियों पहले दुनिया में नंबर एक देश थे और वर्ष 2047 में नंबर एक देश बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को इसके लिए तैयारी करनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने आईआईटी धारवाड़ में मुख्य द्वार परिसर, ज्ञान संसाधन और डेटा केंद्र और सेंट्रल लर्निंग थिएटर का उद्घाटन किया। उन्होंने छत पर सौर पैनल सुविधा की आधारशिला भी रखी। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। युवाओं को शासन और लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण पक्ष बताकर श्री धनखड़ ने उम्मीद जाहिर की कि युवा वह बदलाव लाएंगे जिसकी देश को जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोई भी लोकतंत्र तब तक संपूर्ण नहीं है, जब तक कि कानून के समक्ष समानता न हो। कानून के समक्ष समानता के बिना व्यक्ति की गरिमा संभव नहीं है। जो लोग खुद को कानून से ऊपर मानते थे, उन्हें जवाबदेह ठहराया जा रहा है और वे यह समझ रहे हैं कि कानून के समक्ष समानता आज जमीनी हकीकत है।

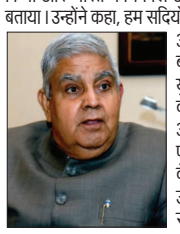

बेंगलुरु कैफे में किसने और कैसे किया धमाका

-इडली खाने के बहाने कैफे में घुसा और आईईडी बम लगाकर चला गया

बेंगलुरु, (एजेंसी)। बीते रोज रामेश्वरम कैफे में हुए धमाके की जांच एजेंसियां कर रही हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहा है। आरोपी की तलाश में करीब दो दर्जन लोगों से पूछताछ की गई है। जांच में अब तक जो सामने आया है,उसके मुताबिक आरोपी कैफे में घुसा उसने इडली का ऑर्डर दिया और साथ लाए बैग में बम का टाइमर लगाकर चलते बना। बता दें कि धमाका उस वक्त हुआ था जब लंच का समय था और लोग बेंगलुरु के लोकप्रिय रामेश्वरम कैफे में मजे से खाना खा रहे थे, तभी एकदम से धमाका हुआ और 9 लोग जख्मी हो गए। विस्फोट के बाद जांचकर्ता सीसीटीवी फुटेज से सुराग ढूंढ रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि व्हाइटफील्ड में लोकप्रिय रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट की वजह और प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है तथा आशंका है कि 'आईईडी' से यह विस्फोट हुआ है। उन्होंने कहा कि इस घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए तथा सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग इसमें शामिल होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना के संबंध में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि संदिग्ध की पहचान 28 से 30 साल के व्यक्ति के रूप में की गई है जिसने टोपी पहन रखी है और बैग कंधे पर लेकर जाते ही वीडियो में दिखाई दे रहा है। वह नाश्ते के समय कैफे में आया और रवा इडली के लिए एक कूपन खरीदा, लेकिन इडली खाए बिना ही कैफे से चला गया। आईईडी वाला बैग वह वहीं छोड़ गया था, जिसमें एक बम को एक घंटे का टाइमर लगाकर छोड़ रखा था। इसके एक घंटे बाद ही धमाका हो गया। कैफे के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उसने ब्लास्ट की तेज आवाज सुनी। उस समय वहां 40 के करीब लोग अंदर मौजूद थे और वे सभी बाहर भागने लगे जिससे अफरा-तफरी मच गई। उस समय सभी ने कहा कि सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि इसके बाद जल्द ही एक एम्बुलेंस और एक दमकल गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू हुआ।फिलहाल अभी तक संदिग्ध का पता नहीं चल पाया है।

राज्यों को राशि आवंटित करने में केंद्र कर रहा धोखा

-तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थागई ने कहा, तानाशाह की तरह काम कर रहे हैं पीएम मोदी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थागई ने अपने एक बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के गठन के बाद से ही राज्यों के अधिकार छीन लिए गए हैं। धीरे-धीरे राज्यों की शक्ति भी केंद्र के हाथों में जाती जा रही है। यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थागई ने अपने बयान में कहा है कि पीएम मोदी तानाशाह की तरह काम करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को आवंटित कुल धनराशि 1 लाख, 42 हजार करोड़ रुपये है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक 20 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश को 25,495 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं वहीं दूसरी तरफ तमिलनाडु को मात्र 5,097 करोड़ रुपये ही आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु समेत आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक की कुल आबादी 25 करोड़ है। हालाँकि, केंद्र द्वारा कुल आवंटित राशि 21,755 करोड़ रुपये है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश को आवंटित राशि का 89 प्रतिशत हिस्सा ही दक्षिणी राज्यों को आवंटित किया जाता है। इस तरह भाजपा राजनीतिक मकसद से दक्षिणी राज्यों को धोखा दे रही है, इसके लिए किसी अन्य सबूत की आवश्यकता भी नहीं है। वैसे भी राज्यों के अधिकारों को केंद्र सरकार धीरे-धीरे अपने हाथों में लेती जा रही है, यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ सभी को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय दौरे को लेकर टीएनसीसी अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थागई बयान देते हुए कहा था कि यहां पर कभी कमल नहीं खिल सकता। सांप्रदायिक ताकतों के लिए यहां कोई जगह नहीं है।

बीजू पटनायक को भारत रत्न देकर क्या ओडिशा में बीजेडी से गठबंधन करेगी भाजपा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। 2024 के आम चुनावों की तारीखों की घोषणा में अब कुछ ही समय शेष है। देश के सभी हिस्सों की सियासत तेज हो गई है। ओडिशा में भी अटकलों का बाजार गर्म है। ओडिशा में कई लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या बीजू जनता दल (बीजेडी) और प्रमुख विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन होगा? सवाल अजीब है, लेकिन दोनों तरफ से अभी तक कोई ठोस जवाब भी नहीं मिला है।

ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने जा रहे हैं। चर्चा है कि बीजेडी और भाजपा समझौता गठबंधन में दोनों चुनावों का सामना करेगी। 1997 से लेकर 11 वर्षों तक दोनों का गठबंधन था। नवीन पटनायक सीएम बनने से पहले पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय मंत्री थे।

2024 और 1997 की सियासी तस्वीर काफी जुदा है। लोकसभा हो या विधानसभा, भाजपा ने कांग्रेस को तीसरे स्थान पर धकेल दिया है और राज्य में विपक्षी दल के रूप में उभरी है। यदि बीजेडी और भाजपा का गठबंधन होता है कि विपक्ष की जगह पूरी तरह से कांग्रेस के लिए खाली हो जाएगी। साथ ही, भाजपा पांच बार के मुख्यमंत्री पटनायक को चुनौती देने वाली बीजेडी का विकल्प होने का दावा नहीं कर सकती है। कुछ दिन पहले भाजपा नेता विजयपाल सिंह तोमर ने बीजेडी के साथ गठबंधन होगा के सवाल पर कहा था, मैं अभी इसका जवाब नहीं दे सकता हूं। हालांकि हम सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उनके इस बयान के बाद अटकलों का बाजार काफी गर्म हो गया है। हालांकि, ओडिशा भाजपा प्रमुख ने गठबंधन से इंकार कहा कि पार्टी राज्य की सभी लोकसभा और विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।

इस बार क्रिकेटर गौतम गंभीर नहीं लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेटर गौतम गंभीर इस बार का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने इस संबंध में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातचीत की है। जानकारी के अनुसार बीजेपी सांसद और क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से उन्हें राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का आग्रह किया। इसे लेकर उन्होंने खुद ऐलान किया है। गौतम गंभीर ने ट्वीट करते हुए कहा कि मैंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुझे अपने राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का अनुरोध किया है ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए मैं पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमितशाह को ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द। क्रिकेटर गौतम गंभीर ने ट्विटर पर खुलासा किया कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की शुरुआत से पहले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए राजनीति से दूर जाना चाहते हैं। गौरतलब है कि गंभीर पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद हैं। राजनीति छोड़ने का उनका फैसला उन अफवाहों के बीच आया है कि उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी से टिकट नहीं मिल सकता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर गंभीर आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर के रूप में काम करने के लिए तैयार हैं और वह अपना सारा ध्यान अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के साथ अपनी नौकरी पर लगाना चाहते हैं।

खरगे और जयराम रमेश पर भड़के नितिन गडकरी, नोटिस भेजकर बोले माफी मांगें

नागपुर (एजेंसी)। कांग्रेस के एक्स हैंडल से किए गए एक पोस्ट पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भड़क गए हैं। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे और जयराम रमेश को नोटिश भेजकर माफी मांगने को कहा है। दरअसल, कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से गडकरी के इंटरव्यू के एक अंश को लिखते हुए कहा, आज गांव, गरीब, मजदूर और किसान दुखी हैं। गावों में अच्छे रोड नहीं, पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं, अच्छे अस्पताल नहीं, अच्छे स्कूल नहीं हैं। मोदी सरकार के मंत्री नितिन गडकरी। केंद्रीय मंत्री ने इसी को लेकर नोटिस भेजा है।

इस मामले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश को कानूनी नोटिस भेजकर

उनके बयान से छेड़छाड़ कर लोगों को गुमराह करने के लिए माफी मांगने को कहा है। गडकरी के वकील बालेंदु शेखर ने कहा कि उनके मुवक्किल माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल से सामग्री और पोस्ट के बारे में जानकर, सुनकर और देखकर हैरान रह गए। वकील ने कहा, खरगे और रमेश ने जानबूझकर एक एक समाचार पोर्टल को दिए गए गडकरी के इंटरव्यू की 19 सेकंड की वीडियो क्लिप पोस्ट की, जिसमें उनके शब्दों के प्रासंगिक इरादे और अर्थ को छुपाया गया।

नोटिस में कहा गया है कि जनता की नजरों में गडकरी के प्रति भ्रम, सनसनी और बदनामी पैदा करने के एकमात्र इरादे और गुप्त उद्देश्य से एक भयावह कृत्य किया गया है। इसमें आगे कहा गया है कि यह भारतीय जनता पार्टी की एकजुटता में दरार पैदा करने का एक निरर्थक प्रयास भी है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी आम चुनाव में लोगों का विश्वास जीतने के लिए तैयार है।नोटिस में आगे कहा गया है कि नितिन गडकरी के इंटरव्यू को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उस वीडियो को अपलोड करके दर्शाया गया जो प्रासंगिक अर्थ से परे है।

लालू की राहुल गांधी का नसीहत, यात्रा को छोड़कर सीट बंटबारे में ध्यान दें

-नीतिश खुद हमारे पास आते हैं, हम नहीं जाते

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव ने लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में अब तक सीटों का बंटवारा नहीं होने को लेकर नाराजगी जाहिर की है। लालू ने कांग्रेस से कहा है कि अब समय नहीं बचा है, सीटों का बंटवारा कर चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। इतना ही नहीं लालू यादव ने कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को नसीहत देकर कहा है कि राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा पर भी विचार करना चाहिए और घूमना फिरना बंद कर अब लोगों को इकट्ठा करने की रणनीति बनानी चाहिए।

लालू ने ये बातें एक मीडिया संस्थान को दिए अपने इंटरव्यू में कही हैं। लालू ने इंडिया गठबंधन की भूमिका को लेकर बेबाकी से अपनी बातें रखीं। नीतीश कुमार द्वारा महागठबंधन छोड़ने को लेकर पूछे सवाल पर लालू ने कहा कि जो लोग निकल गए वह गए, लेकिन जनता महागठबंधन से नहीं निकली है। जनता अब भी विपक्षी गठबंधन के साथ है। लालू ने दावा किया कि बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इंडिया गठबंधन के साथ है और वह अलग नहीं होगीं। ममता अगला लोकसभा लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ ही लड़ेंगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर लालू ने कहा कि ये सारी चीजें करनी पड़तीं हैं, केवल बैठने से काम नहीं चलने वाला है। वैसे उन्होंने राहुल को अपनी यात्रा खत्म कर सीट बंटवारे पर भी काम करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री नीतीश के एनडीए में वापसी पर लालू ने दो टूक शब्दों में कहा कि हम लोग उनके पास नहीं जाते हैं, बल्कि वह खुद बार-बार हमारे पास चले आते हैं।

लालू ने कहा कि वह कभी सांप्रदायिकता के सामने नहीं झुके और नहीं उनके साथ कभी खड़े रहे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव भी ऐसा ही करेगा। लालू यादव ने दावा किया कि 2024 का लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी नहीं जीत पाएंगे। उनका दावा है कि इस बार इंडिया गठबंधन की जीत तय है।

पीपीपी के सरफराज बुगती को बलूचिस्तान का मुख्यमंत्री चुना गया

कराची, । पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सरफराज बुगती को शनिवार को अशांत बलूचिस्तान प्रांत का नया मुख्यमंत्री निर्विरोध चुन लिया गया। बुगती ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में पीपीपी के टिकट पर प्रांतीय विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए अंतरिम सरकार में कार्यवाहक गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। बुगती ने शुक्रवार को असेंबली के सचिव ताहिर शाह को अपना नामांकन पत्र सौंपा था। उन्हें पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का भी समर्थन प्राप्त है। शुक्रवार शाम पांच बजे तक किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया जिसके बाद बुगती को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया। बुगती को नए मुख्यमंत्री के रूप में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि यह प्रांत अक्सर आतंकवाद और अलगाववादी हिंसा की चपेट में रहता है। आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के बाद पीपीपी बलूचिस्तान में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और प्रांत में पीएमएल-एन तथा बलूच आवामी पार्टी के साथ गठबंधन सरकार बनायी। बलूचिस्तान जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की अगुवाई वाली सरकार में 2018 से 2022 तक बलूचिस्तान में सूचना मंत्री भी रहे।

सोशल मीडिया से जुड़े विधायक पर फ्लोरिडा में लगा वीटो

वाशिंगटन ।अमेरिका के फ्लोरिडा में उस विधेयक को वीटो किया गया है, जो 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाता है।फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने इसकी जानकारी दी है। श्री डेसेंटिस ने नाबालिगों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक के संबंध में कहा, मैंने एचबी 1 को वीटो कर दिया है क्योंकि विधायिका एक अलग, बेहतर विधेयक पेश करने वाली है। उन्होंने बताया कि बच्चों को सोशल मीडिया से जुड़े नुकसान से बचाना होगा है, लेकिन माता-पिता के अधिकारों का समर्थन करना और गुमनाम भाषण में शामिल होने की वयस्कों की क्षमता को बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। गर्वनर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नया विधेयक इन प्राथमिकताओं को मान्यता देगा और जल्द ही कानून में हस्ताक्षरित किया जाएगा।

ब्यूनस आयर्स में राष्ट्रपति जैवियर मैली की आर्थिक नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

रूस नहीं करेगा अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की तैनाती : पुतिन

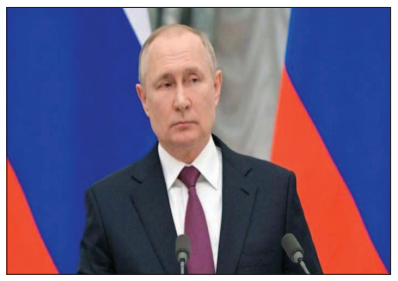

मॉस्को । रूस अंतरिक्ष परमाणु हथियारों की तैनाती में नहीं करेगा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के सुरक्षा परिषद के सदस्यों के साथ बैठक में कहा कि रूस की अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। एक रिपोर्ट में शुक्रवार को राष्ट्रपति का हवाला देते हुए कहा कि हम पहले ही अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने की हमारी कथित योजनाओं के बारे में कुछ पश्चिमी अधिकारियों द्वारा लगाए जा रहे झूठे आरोपों पर चर्चा कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुरुवार को अपने वार्षिक स्टेट ऑफ द नेशन संबोधन में पुतिन ने ऐसे आरोपों को निराधार और फर्जी करार दिया है। गौरतलब है कि उनका यह बयान पश्चिमी मीडिया की उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया है कि अमेरिकी खुफिया डेटा से पता चला है कि रूस अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने की तैयारी कर रहा है।

मिस्र ने रमजान के दौरान गाजा में युद्धविराम का किया आह्वान

अंकारा । मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी ने इस साल 11 मार्च के आसपास शुरू होने वाले रमजान के पवित्र महीने से पहले गाजा में संघर्ष विराम का आह्वान किया। श्री शौकरी ने कहा, मेरा मानना है कि हर कोई मानता है कि फिलिस्तीनियों की सुरक्षा के लिए और इसकी धार्मिक प्रकृति के कारण रमजान से पहले युद्धविराम तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि रमजान के दौरान सैन्य कार्रवाइयों से न केवल गाजा और वेस्ट बैंक में नागरिक प्रभावित हो रहे है। बल्कि अरब और मुस्लिम जगत में भी तनावपूर्ण माहौल पैदा होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी योजना पर चर्चा करना उचित नहीं है, जो इजरायल को नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सैन्य अभियान चलाने की अनुमति देगी। श्री शौगरी यहां अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में भाग लेने आए हैं। यह फोरम दुनिया भर के 147 देशों के प्रतिनिधियों की मेजबानी करता है।

बाइडेन का ऐलान, गाजा में जल्द पहुंचेगी मानवीय सहायता

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका जल्द ही गाजा में हवाई मार्ग से मानवीय सहायता पहुंचाना शुरू करेगा। बाइडन का बयान उस समय में आया है जब एक दिन पहले ही इजराइली सैनिकों के साथ हुई एक भीषण मुठभेड़ के दौरान कई फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। बाइडन ने कहा कि आने वाले दिनों में गाजा में विमानों के द्वारा लोगों को मानवीय सहायता पहुंचेगी। गाजा में एक मानवीय सहायता काफिले से खाद्य सामग्री लेने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों की एक भीड़ पर इजराइली सैनिकों की गोलीबारी में 100 से अधिक लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे।

यूएई में बना पहला हिंदु मंदिर जनता के लिए खुला

अबू धाबी । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पत्थर से निर्मित पहले हिंदू मंदिर को आम जनता के लिए खोल दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 फरवरी को अबू धाबी के इस पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया था। मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल राहबा के पास 27 एकड़ क्षेत्र में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। मंदिर के लिए जमीन यूएई सरकार ने दान में दी है। अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर का निर्माण नागर शैली में हुआ है। इसी शैली में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर में स्वयंसेवक उमेश राजा के अनुसार, 20 हजार टन से अधिक चूना पत्थर के टुकड़ों को राजस्थान में तराशा गया और 700 कंटेनर में अबू धाबी लाया गया। बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने कहा, ''प्रतीक्षा समाप्त हुई! अबू धाबी मंदिर को अब सभी आगंतुकों और श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। इसमें उल्लेख किया गया है कि मंदिर सोमवार को छोड़कर सभी दिन सुबह नौ बजे से रात आठ बजे तक खुला रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा में भारत का प्रस्ताव स्वीकार

नैरोबी । संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) ने केन्या के नैरोबी में सतत जीवन शैली से संबंधित भारत के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक सभा में हिस्सा लेने वाले सदस्य देशों ने उस प्रस्ताव को अपनाया जो श्रीलंका और बोलीविया द्वारा सह-प्रायोजित था। यूएनईए का छठा सत्र छह फरवरी को शुरू हुआ था और शुक्रवार को इसका समापन हुआ। प्रस्ताव सतत विकास के तीन आयामों की उपलब्धि में योगदान देने के लिए स्थायी जीवन शैली के प्रति व्यावहारिक परिवर्तनों की क्षमता को मान्यता देता है।

राजीव गांधी के हत्यारे संथन का शव श्रीलंका पहुंचा

कोलंबो । भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में दोषियों में शामिल संथन का शव अंतिम संस्कार के लिए श्रीलंका लाया गया। दो दिन पहले चेन्नई के एक अस्पताल में हृदय के अचानक काम करना बंद करने (कार्डियक अरेस्ट) से उसकी मौत हो गई थी। श्रीलंका निवासी संथन उर्फ टी सुथेन्डिरराजा (55) उन सात लोगों में से एक था, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में रिहा कर दिया था, क्योंकि वे लोग 1991 में श्रीपेरम्बुदुर में गांधी की हुई हत्या के सिलसिले में 20 साल से अधिक समय जेल में गुजार चुके थे। सूत्र ने कहा, श्रीलंकाई एयरलाइंस की उड़ान यूएल 122 से दोपहर को उसका शव यहां लाया गया। उसके कई रिश्तेदार उसका शव ग्रहण करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे।'' संथन के वकील पुगाझेंधी ने बताया कि उसके शव को श्रीलंका में उसके घर ले जाया जाएगा।

26/11 मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता आजम चीमा की मौत

करांची । 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता आजम चीमा की पाकिस्तान में मौत हो गई है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि लश्कर के खुफिया प्रमुख आजम चीमा (70) की फैसलाबाद में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पाकिस्तान ने भारतीय एजेंसियों पर कई लश्कर आतंकियों की हत्याओं के पीछे होने का आरोप लगाया है, हालांकि भारत ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि नई दिल्ली ने कहा कि वह ऐसी कोई हत्या सूची नहीं रखती है, अगर वास्तव में कोई सूची होती तो चीमा जेयूडी प्रमुख हाफिज सईद और जेईएम प्रमुख मौलाना मसूद अज़हर के साथ शीर्ष पर होते। बता दें कि चीमा 26/11 के आतंकवादी हमलों और जुलाई 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोटों के अलावा भारत में कई अन्य आतंकवादी हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक था। भारतीय एजेंसियों के लिए, उसकी मौत की खबर केवल नामित आतंकवादी की मौजूदगी भर है, जबकि इस्लामाबाद इसके लिए बार-बार इनकार करता था।

नहीं सुधर रहे खालिस्तानी, भारतीय दूत की उपस्थिति वाले कार्यक्रम को एसएफजे ने की बाधित करने की कोशिश

ओटावा (एजेंसी)। ओटावा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने शुक्रवार शाम तनावपूर्ण परिस्थितियों में ब्रिटिश कोलंबिया में एक स्थानीय व्यापार मंडल के साथ बैठक की, क्योंकि कार्यक्रम का विरोध कर रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों ने कार्यक्रम स्थल को घेर लिया था। पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया शहर में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद वर्मा की सरे की यह पहली यात्रा थी।

इस कार्यक्रम को निशाना बनाया गया क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने इसे आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन इसके समापन के बाद, वर्मा ने इस कार्यक्रम को सफल बताया। उन्होंने बाहर विरोध प्रदर्शन के बारे में कहा कि नारेबाजी अपेक्षित तर्ज पर थी। गालियां दी गईं। तिरंगे का अपमान किया गया। हमारी वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य एक साथ शीर्षक वाला कार्यक्रम सरे बोर्ड ऑफ ट्रेड (एसबीओटी) और साउथ एशियन बिजनेस एसोसिएशन (एसएबीए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

शाम 6 बजे के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले लगभग 500 की संख्या में कई प्रदर्शनकारी होटल के बाहर जमा हो गए, उसे घेर लिया और उसके प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध कर दिया। कई लोग नकाबपोश थे। विरोध प्रदर्शन से पहले प्रसारित किए गए फ्लायर्स ने उन्हें भारतीय निगरानी से बचने के लिए ऐसा करने की चेतावनी दी थी। उनके हाथों में खालिस्तान के झंडे थे और अलगाववादी नारे लगाए गए।

अमेरिका के लोगों को चाहिए मोदी जैसा नेता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक बड़े अमेरिकी बिजनेसमैन ने ख्वाहिश जताई है कि काश अमेरिका में भी पीएम मोदी जैसा कोई नेता होता। इस अमेरिकी बिजनेसमैन का नाम जॉन चैंबर्स है। जॉन चैंबर्स यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष हैं। चैंबर्स ने पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की अनुमोदन रेटिंग 50फीसदी से कम बताई।जॉन चैंबर्स ने कहा, भारत का दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना तय है। उन्होंने यह भी कहा कि एक दशक से अधिक समय में भारत की अर्थव्यवस्था चीन से 90फीसदी बड़ी हो जाएगी। भारत के शीर्ष पर पहुंचने का एक कारण उसकी जोखिम लेने की इच्छा है। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। चैंबर्स के मुताबिक, यह पीएम मोदी के प्रभाव के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सात साल से कुछ भारतीय कंपनियों सहित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर दांव लगा रहे हैं। इस प्रोद्योगिकी का दुनिया पर सकारात्मक असर पड़ेगा और इससे प्रत्येक नागरिक लाभान्वित होगा।

अमेरिकी टेक जगत की शख्सियत जॉन चैंबर्स ने कहा, आपके प्रधानमंत्री के बारे में जाहिर तौर पर मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह आज दुनिया के सबसे अच्छे नेता हैं। और मेरी इच्छा है कि हमारे पास अमेरिका में भी ऐसा कोई हो। हमें ऐसा कोई राजनीतिक नेता नहीं मिला जिसकी अनुमोदन रेटिंग 50फीसदी से अधिक हो, और पीएम मोदी की 76फीसदी है।

भारत पर थाईलैंड ने डब्ल्यूटीओ में उगला जहर, अब चुकानी पड़ी कीमत

थाईलैंड ने डब्ल्यूटीओ से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है और इसकी वजह भारत है। दरअसल, डब्ल्यूटीओ में थाईलैंड की राजदूत पिटफील्ड ने एक बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिए सस्ती दर पर चावल खरीद कर अंतरराष्ट्रीय चावल निर्यात पर कब्जा कर रहा है। थाईलैंड के इस आरोपों पर भारत ने डब्ल्यूटीओ के सामने कड़ी आपत्ति जताई थी। भारत द्वारा अपने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के लिए खरीदे गए चावल का निर्यात करने का आरोप लगाने वाली उनकी टिप्पणियों पर भारत द्वारा कड़ा विरोध दर्ज कराए जाने के बाद थाईलैंड ने विश्व व्यापार संगठन में अपने राजदूत पिमचानोक वॉनकोर्पोन पिटफील्ड को वापस बुला लिया। 29 फरवरी को डब्ल्यूटीओ की बैठक के दौरान पिटफील्ड ने परोक्ष रूप से दावा किया कि भारत ने खाद्य सुरक्षा प्रयासों को वैश्विक व्यापार में अनुचित लाभ प्राप्त करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया है। भारतीय प्रतिनिधियों ने इन आरोपों का जोरदार खंडन किया और उन्हें तथ्यात्मक रूप से गलत और अपमानजनक बताया। भारत ने पिटफील्ड की टिप्पणियों पर निराशा व्यक्त करते हुए थाई सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारतीय वार्ताकारों ने अस्वीकृति के संकेत के रूप में डब्ल्यूटीओ में थाई प्रतिनिधियों के साथ बैठक का बहिष्कार किया। भारत के तीव्र विरोध का सामना करते हुए, थाईलैंड ने पिटफील्ड को हटाकर देश के विदेश सचिव को नियुक्त कर दिया। इस विवाद के मूल में भारत और विकसित देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही असहमति है, जो सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से चलने वाले भारत के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं।

पाकिस्तान में नौ मार्च को होगा राष्ट्रपति चुनाव

-पूर्व राष्ट्रपति जरदारी का फिर चुना जाना तय

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान नौ मार्च को होगा, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का लगभग 11 साल बाद फिर से राष्ट्रपति बनाना लगभग तय है। नए राष्ट्रपति मौजूदा राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी का स्थान लेने वाले है। जिनका पांच साल का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था। हालाँकि, वे पद पर बने हुए हैं, क्योंकि नए निर्वाचक मंडल का गठन अभी तक नहीं हुआ है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव नौ मार्च को नेशनल असेंबली और सभी प्रांतीय असेंबली में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होगा। ईसीपी ने कहा कि अधिकारियों द्वारा नामांकन पत्रों की छंटनी चार मार्च को की जाएगी, और इसके अगले दिन नाम वापस लिया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति जरदारी को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले छह दलों के गठबंधन द्वारा शीर्ष पद के लिए नामित किया गया है। इससे जरदारी की जीत लगभग तय मानी जा रही है। गठबंधन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) सहित अन्य दल शामिल हैं। पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत बेनजीर भुट्टो के पति जरदारी सितंबर 2008 से 2013 तक देश के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक की चरमपंथी ताकतों को चेतावनी, देश को तोड़ने की कोशिश ना करे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश के नागरिकों से लोकतंत्र को बचाने के लिए अपील की। उन्होंने चेतावनी देकर कहा कि चरमपंथी ताकतें देश को तोड़ने और इसकी बहु-धार्मिक पहचान को कमजोर करने के लिए तैयार रहती हैं। पीएम सुनक ने कहा कि जो लोग वीजा पर हैं, अगर उन्होंने नफरत फैलाने की कोशिश की, तब उनका वीजा रद्द किया जाएगा। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को चरमपंथी ताकतों द्वारा अपहरण न किया जाए। अपनी हिंदू मान्यताओं का जिक्र करते हुए, सुनक ने कहा कि यूनाइटेड किंगडम के स्थायी मूल्य सभी धर्मों और जातियों के प्रवासियों को गले लगाना सिखाते हैं।

पीएम सुनक ने कहा कि आप मेरी तरह एक हिंदू और एक गौरवान्वित ब्रिटिश व्यक्ति हो सकते हैं, एक धर्मनिष्ठ मुस्लिम और एक देशभक्त नागरिक हो सकते

हैं, जैसा कि बहुत से लोग हैं या एक लगन से काम करने वाले यहूदी व्यक्ति और अपने स्थानीय समुदाय का केंद्र हो सकते हैं और यह सब हमारे ईसाई चर्च की सहिष्णुता पर आधारित है। लेकिन मुझे डर है कि दुनिया के सबसे सफल एक से ज्यादा जाति और आस्था वाले लोकतंत्र के निर्माण में हमारी उपलब्धि को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। देश के अंदर कुछ ताकतें हैं, जो हमें तोड़ने की कोशिश कर रही हैं।

सुनक, रोशडेल उपचुनाव में फिलिस्तीन समर्थक जॉर्ज गैलोवे की जीत के बाद यह स्पीच दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल ही में कई मौकों पर, ब्रिटेन की सड़कों पर छोटे समूहों ने कब्जा कर लिया है, जो ब्रिटिश मूल्यों के दुश्मन हैं और इसकी लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं यहां हमारे देश के पहले अश्वेत प्रधानमंत्री के रूप में खड़ा हूं, जो हमारे देश के इतिहास में सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार का नेतृत्व कर रहा है। इससे सभी जातियों, सभी धर्मों और सभी बैकग्राउंड के लोगों को पता चल रहा है कि यह आपकी त्वचा का रंग नहीं है, यह उस भगवान का रंग नहीं है, जिस पर आप विश्वास करते हैं। आपकी सफलता इससे नहीं तय होगी कि आप कहां पैदा हुए हैं, सिर्फ आपकी कड़ी मेहनत और कोशिश आपको कामयाब करेगी।

बाइडेन की फिर फिसली जुबान, गाजा की जगह कह दिया यूक्रेन में हवाई जहाज से भोजन और राहत सामग्री गिराई जाएगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की एक बार फिर कैमरे पर जुबान फिसल गई। जब उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में भोजन और आपूर्ति हवाई जहाज से गिराएगा, जबकि उनका वास्तव में मतलब गाजा पट्टी से था। बाइडेन ने यह टिप्पणी इटली की प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ की। बाद में व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने पत्रकारों को स्पष्ट किया कि जो बिडेन अपने संबोधन में गाजा का जिक्र कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने भाषण में दो बार यूक्रेन का जिक्र किया। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में मेलोनी की मेजबानी की। एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, 81 वर्षीय अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की कि अमेरिका जॉर्डन और अन्य देशों में शामिल हो रहा है जो गाजा में भोजन और आपूर्ति भी भेज रहे हैं।

बाइडेन ने कहा कि आने वाले दिनों में हम जॉर्डन में अपने दोस्तों और अन्य लोगों के साथ जुड़ने जा रहे हैं जो अतिरिक्त भोजन और आपूर्ति की हवाई बूंदें प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संभवतः समुद्री सहित अन्य रास्ते खोलने की कोशिश करेगा। हालांकि, अपने भाषण में उन्होंने गलती से दो बार गाजा की जगह यूक्रेन का जिक्र कर दिया। इस महीने की शुरुआत में बाइडेन ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्द अल-फतह सईद हुसैन खलील अल-सिसी का उल्लेख करते हुए गलती की और उन्हें मेक्सिको का राष्ट्रपति कहा। उन्होंने फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवीय सहायता के मार्ग की अनुमति देने के लिए मिस्र द्वारा गाजा के साथ साझा किए जाने वाले राफा बॉर्डर क्रॉसिंग के द्वार खोलने के लिए एल-सिसी को समझाने की बात करते समय गलती की।

विशेष वकील रॉबर्ट हूर के दावों को गुस्से में नकारने के तुरंत बाद उन्होंने यह गलती की कि उनकी याददाश्त खराब और दोषपूर्ण है। बार-बार होने वाली गड़बड़ियों के कारण जो बिडेन के स्वास्थ्य पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। हालाँकि, उनके डॉक्टर ने 29 फरवरी को कहा कि वार्षिक शारीरिक परीक्षण से पता चला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ड्यूटी के लिए फिट बने हुए हैं।

विलुप्त होने से पहले हमें बचा लो!

विश्व वन्य जीव पर विशेष

आयुषी दवे

निश्चित ही इस दिशा में वैसे तो बहुत से काम किये जा रहे है परन्तु पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने के लिए अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। जरुरत यह भी कि हम वन्यजीवों के महत्व को समझें, उनका होना एक वरदान समझ कर उनके होने का जश्न मनाएं और उनके संरक्षण की बात को केवल कागजी बात ना मान कर उसे अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाते हुए इस दिशा में निरंतर प्रयास करते रहें और दुनिया भर की सरकारी. गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा किये हुए प्रयासों को सफल बनाने में हम भी अपनी एक सक्रिय भूमिका निभाएं।

जब हम वन्यजीव या वाइल्डलाइफ शब्द सुनते हैं तो अमूमन हमारे दिमाग में सबसे पहले जंगल और वहां रहने वाले शेर, चीता भालू जैसे बड़े जंगल जानवरों का ख्याल आता है दरअसल वन्यजीव उन सभी जीवों को कहा जाता है जिन्हें मनुष्यों द्वारा पालतू ना बनाया गया हो. वन्यजीवों में ना केवल जानवर बल्कि वो सभी पेड़ पौधे, कीड़े मकोड़े, कवक और सूक्ष्म जीव भी आते है जो अपने प्राकृतिक वातावरण में बिना मनुष्यों के दखल के रहते हैं। ये वन्यजीव पृथ्वी के हर महाद्वीप और लगभग सभी देशों में पाए जाते है. ये हमारी प्राकृतिक धरोहर का एक बहुत अहम हिस्सा हैं क्यूंकि पृथ्वी में पाए जाने वाले हर पारितंत्रों यानी इकोसिस्टम जैसे वन, रेगिस्तान, घासभूमि, मैदान, पर्वत, समुद्री क्षेत्र में इनकी अच्छी खासी संख्या देखी जा सकती है।

पर्यावरण को संतुलित करने में वन्यजीव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन्य जीवन प्रकृति की विभिन्न प्रक्रियाओं को स्थिरता प्रदान करता है। प्रत्येक जीवित वस्तु आपस में जुड़ी हुई है। यदि केवल एक जीव भी खतरे में पड़ जाता है या विलुप्त हो जाता है, तो इसका पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ता है। यह खाद्य श्रृंखला यानी फूड चेन को भी बाधित करता है, जिससे पर्यावरण में सदमे की लहर फैल जाती है। इसीलिए इन वन्यजीवों का संरक्षण बेहद अहम् हो जाता है। इसीलिए इस हेतु विश्व की बहुत सारी सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाए निरंतर प्रयासरत हैं। जो सभी अलग-अलग स्तर पर अपने-अपने ढंग से वन्यजीवों को ना केवल संरक्षित कर रही हैं बल्कि अपने तमाम कार्यक्रमों के माध्यम से लोगो में इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता भी फैला रही है।

ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने 20 दिसंबर 2013 को हुए 68वें सेशन में हर साल 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाने की घोषणा की। 3 मार्च की तिथि इसलिए निर्धारित किया गया ताकि इसी दिन 1973 में आईयूसीएन यानी इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्सेर्वेटिव ऑफ नेचर अर्थात प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ के 80 सदस्यों द्वारा सीआईटीईएस(साइट्स) समझौते पर हस्ताक्षर किये गए थे।

साइट्स जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन सरकारों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों के नमूनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा न हो। 2013 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की घोषणा के बाद से ही संयुक्त राष्ट्र विश्व वन्यजीव दिवस अब वन्यजीवों को समर्पित वैश्विक वार्षिक कार्यक्रम बन गया है जिसे हर साल 3 मार्च को मनाया जाने लगा। इसमें हर साल वन्यजीव से जुड़े किसी नए विषय या थीम के अंतर्गत मनाया जाता है। इस साल 2024 में इसका विषय है लोगों और ग्रह को जोड़नाः वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज इस वर्ष का पूरा एजेंडा इस बात पर केंद्रित रहेगा की कैसे डिजिटल नवाचार और तकनीकों की मदद से हम संरक्षण का काम कर सकते हैं और कैसे मनुष्य और वन्यजीवों के सहअस्तित्व का निर्धारण कर सकते हैं।

विश्व वन्यजीव दिवस का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना और उन्हें जानवरो और पेड़ पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना है।भारत में भी वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बहुत से प्रयास किये जा रहे हैं जिसके तहत 1972 में वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट नामक सख्त कानून पारित किया गयो नेशनल पार्क, वन्यजीव अभ्यारण, टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व जैसे बहुत से संरक्षित क्षेत्र भी घोषित किये गऐ समय समय पर इनकी गणना भी की जाती है इनकी संख्या बढ़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफैंट, प्रोजेक्ट राइनो, प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड, प्रोजेक्ट वल्चर आदि चलाये जा रहे हैं वन्यजीव और प्रकृति बड़े पैमाने पर भावनात्मक और सामाजिक कारणों से मनुष्यों से जुड़े हुए हैं। वन्य जीवन के महत्व को पारिस्थितिक, आर्थिक और खोजपूर्ण महत्व के साथ-साथ जैविक विविधताओं के संरक्षण आदि के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए विविधता आवश्यक होती है। उदाहरण के लिए पौधों पर विचार करें। पौधों की विस्तृत विविधता का अर्थ है अधिक उत्पादकता और बेहतर स्वास्थ्य। यदि पौधों की प्रजातियाँ कम हैं, तो उन्हें प्रभावित करने वाली बीमारी तेजी से और अधिक प्रभावी ढंग से फैलती है। अधिक विविधता का अर्थ है बेहतर प्रतिरोध।

वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा वन्यजीव और प्रकृति में माध्यम से आता है। बहुत से लोग अपनी जीविका के लिए कहीं ना कहीं वन और वन्यजीवों पर आश्रित हैं इसीलिए इनका संरक्षण और भी ज्यादा जरुरी हो जाता है। वन्यजीवों का न केवल आर्थिक और सामाजिक महत्व बल्कि सांस्कृतिक महत्व भी है। ये शुरू से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति के अभिन्न अंग रहे हैं इतना ही नहीं एक बेहतर मानसिक स्वास्थ के लिए भी प्रकृति और वन्यजीवों के करीब रहने की सलाह दी जाती है

हर जगह लोग भोजन से लेकर ईंधन, दवाएँ, आवास और कपडे तक अपनी सारी जरूरतों को पूरा करने के लिए वन्यजीवन और जैव विविधता आधारित संसाधनों पर निर्भर हैं। प्रकृति हमें और हमारे ग्रह को जो लाभ और सुंदरता प्रदान करती है उसका आनंद लेने के लिए, ये जरुरी है की लोग यह सुनिश्चित करें कि पारिस्थितिकी तंत्र फलने-फूलने में सक्षम हों और पौधों तथा जानवरों की प्रजातियां भविष्य की पीढ़ियों के लिए अस्तित्व में रहने में सक्षम हों। निश्चित ही इस दिशा में वैसे तो बहुत से काम किये जा रहे है परन्तु पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने के लिए अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। जरुरत यह भी कि हम वन्यजीवों के महत्व को समझें, उनका होना एक वरदान समझ कर उनके होने का जश्न मनाएं और उनके संरक्षण की बात को केवल कागजी बात ना मान कर उसे अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाते हुए इस दिशा में निरंतर प्रयास करते रहें और दुनिया भर की सरकारी. गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा किये हुए प्रयासों को सफल बनाने में हम भी अपनी एक सक्रिय भूमिका निभाएं।

(लेखिका इलेक्ट्रॉनिक-कम्युनिकेशंस में इंजीनियर है)

संपादकीय

यह अहं किस बात पर

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

मानव का सबसे बड़ा शत्रु कौन ? इसका मेरे चिन्तन से उतर होगा की मैं मानव का सबसे बड़ा शत्रु हैं ।जब हम इस दुनिया में आते है तो हमको स्नान कौन करवाता हैं ? जब हम इस दुनिया से जाते है तो हमारे शरीर को शमशान तक कौन ले जाता हैं ? इसका एक ही उतर होगा कोई दूसरा व्यक्ति तो सोचने वाली बात यह हैं कि जब हम आते है , जाते है आदि तो सब कुछ ही औरों ही औरों पर निर्भर है तो अहं जीवन किस बात का करे । अहंकार का कारण है अपने असली स्वरूप अर्थात च्मैंज को न समझना, जैसे ही हम च्मैंज्को उसके असली रूप में देख लेते हैं, हमारा *अहंकार* विल्कुल वैसे ही अदृश्य हो जायेगा, जैसे दीपक के जलने से अंधकार का कोई अता-पता नहीं रहता अत: हम सहनशीलता को बढ़ाते हुवें,संयमित जीवन यापन करतें हुवें, विवेक की सवारी करतें हुवें, अपनें अहंकार के पूरे परिवार को परास्त करें। घमंडज और च्पेट जब ये दोनों बढ़ते हैं तब च्हन्सानज चाह कर भी किसी को अपने गले नहीं लगा सकता हैं । जिस प्रकार नींबू के रस की एक बूंद हजारों लीटर दूध को बर्बाद कर देती है उसी प्रकार च्मनुष्यज का च्अहंकार भी अच्छे से अच्छे संबंधों को बर्बाद कर देता है अत: अक्सर ऊँचायों को छूने पर इंसान अपनी वास्तविक पहचान भूल जाते हैं और जिस दिन अहंकार हावी होता है तब सिवाए पतन के और कुछ हासिल नहीं होता।तभी तो कहते है कि यह अहं किस बात पर ।

दलबदल के लिए दोषी कौन

राज्यसभा चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग के बाद इस बात पर बहस छिड़ी है कि दलबदल के लिए असली दोषी कौन है? भाजपा के नेता और उनके समर्थक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद आदि पर ही ठीकरा फोड़ रहे हैं और कह रहे हैं कि जो पार्टी अपने विधायकों को नहीं संभाल पाई वह भाजपा से क्या लड़ेगी?हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का मजाक बनाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रहते उनको पता ही नहीं चला कि उनके विधायक साथ छोड़ कर जा रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा विरोधी पार्टियों के नेता और सोशल मीडिया का उनका इकोसिस्टम भाजपा को दोषी बता रहा है। उनका कहना है कि भाजपा ने अपनी ताकत का इस्तेमाल करके डाका डालाइ है तो इसमें कांग्रेस या सुक्खू या अखिलेश यादव की क्या गलती है?इस बहस में एक दिलचस्प बात यह है कि जो लोग दलबदल के लिए भाजपा की खूब आलोचना कर रहे हैं वे ही लोग कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपने विधायकों को एकजुट रखा और भाजपा के एक विधायक से क्रॉस वोटिंग करा दी साथ ही एक दूसरे विधायक को गैरहाजिर करा दिया। बहरहाल, दोनों तरफ से दिए जा रहे तर्कों में मेरिट है और इसलिए बहस चल रही है। वैसे भी देश की राजनीति और साथ साथ समाज जिस तरह से वैचारिक आधार पर विभाजित हुआ है उसमें यह हैरानी वाली बात नहीं है। विभाजन ऐसा हो गया है कि एक पक्ष केंद्र सरकार और भाजपा की हर बात और हर कदम को सही ठहराता है तो दूसरा पक्ष विपक्ष की हर बात का समर्थन करता है। इसके बीच में या आसपास देखने की जरुरत ही नहीं समझी जाती है। हकीकत यह है कि इन दोनों तर्कों के बीच एक बड़ा क्षेत्र ऐसा है, जिसे समझने की जरुरत है। एक पक्ष यह मानता है कि मोहब्बत और जंग में सब जायज है की तर्ज पर भाजपा ने ताकत का इस्तेमाल करके दूसरी पार्टी के विधायकों को तोड़ लिया तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है तो दूसरा पक्ष यह है कि भाजपा ने डाका डाला और लोकतंत्र की हत्या की है। लेकिन इन दोनों के बीच वे लोग भी तो हैं, जो पाला बदलते हैं। उनके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। वो कैसे लोग हैं, जिन्होंने किसी लालच में या दबाव में पाला बदला? यह सवाल तो उठता ही है कि अगर भाजपा किसी को अपनी ओर मिलाना चाहती है तो क्या वह जबरदस्ती कर रही है या मिलने वाले की भी मर्जी हो रही है? यह भी सवाल है कि अगर कोई विधायक या सांसद किसी पार्टी को छोड़ कर जाने का मन बना ले और पार्टी के नेता या मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी भी हो जाए तो वह किस तरह से उसे रोक सकता है? जाने वाले को कौन रोक सकता है!असल में राजनीति के व्यक्ति केंद्रित होते जाने और सत्ता को अंतिम लक्ष्य या साध्य मानने की सोच ने भारतीय राजनीति को बहुत ज्यादा दूषित कर दिया है। हां, यह जरूर कह सकते हैं कि इसका प्रदूषण बढ़ाने में या इसे मौजूदा शक्ल देने में भाजपा ने बड़ी भूमिका निभाई है। उसने लालच के साथ साथ भय का एक भी तत्व इसमें जोड़ दिया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पहले दलबदल नहीं होते थे या पहले राज्यसभा के चुनावों में विधायक क्रॉस वोटिंग नहीं करते थे। आजादी के बाद हर समय ऐसा होता रहा है। लेकिन लंबे समय तक दलबदल वैचारिक आधार पर होता था। दलगत आधार पर भी दलबदल हुए लेकिन उसमें भी कहीं न कहीं विचारधारा का हाथ रहा। एक ही विचारधारा की कई पार्टियां थीं, जिसके नेता इधर से उधर आते जाते थे। लेकिन अब दलबदल विशुद्ध रूप से निजी स्वार्थ से संचालित हो रहा है। अब विचारधारा का कोई मतलब नहीं है। कह सकते हैं कि पहले विचारधारा की गोंद नेताओं को बांधे रहती थी, लेकिन अब सत्ता एकमात्र गोंद है, जिससे नेता बंधे हुए हैं। इसलिए सिर्फ भाजपा को दोष देने से काम नहीं चलेगा। भाजपा खरीदार की तरह मंडी में बैठी है और नेता बिकने के लिए आ रहे हैं। सोचें, देश में पशुओं का मेला लगता है, जिसमें पशुओं के मालिक उन्हें बेचने के लिए ले जाते हैं लेकिन इंसान तो खुद ही जा रहे हैं बिकने के लिए! गुजरात में नाराण भाई राठवा अपने बेटे संग्राम राठवा के साथ कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए। सोचें, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब उनको रेल मंत्री बनाया गया था। बाद में कांग्रेस ने उनको राज्यसभा में भेजा। उनका राज्यसभा का कार्यकाल तीन अप्रैल 2024 को समाप्त हो रहा है। उससे एक महीना तीन दिन पहले उनको लगा कि अब कांग्रेस राज्यसभा या कुछ और पद देने की स्थिति में नहीं है तो उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में चले गए। इसका कांग्रेस नेतृत्व की कमजोरी से कोई लेना-देना नहीं है और न इसके लिए भाजपा की आलोचना करने की जरुरत है। यह विशुद्ध रूप से उस व्यक्ति के निजी स्वार्थ का मामला है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने वीरभद्र सिंह को छह बार मुख्यमंत्री बनाया। जब राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं होती थी तो उनको केंद्र में मंत्री बनाया जाता था। अब भी उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं और बेटे विक्रमादित्य सिंह राज्य सरकार में मंत्री हैं। लेकिन वे आज अगर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो उसमें कांग्रेस या सुखविंदर सिंह सुक्खू की कमी नहीं है। जब नेता अपना दीन ईमान छोड़ दे और सत्ता या धन के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाए तो फिर उसमें कोई भी पार्टी क्या कर सकती है?राजनीति में नैतिक मूल्यों के निरंतर ह्रास को समझने की जरुरत है। यह भी समझने की जरुरत है कि अगर राजनीति समाज का आईना है तो समाज की क्या स्थिति हो गई है? इसको ठीक किए बगैर यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि राजनीति स्वच्छ हो जाएगी। इसमें एक पहलू दलबदल कानून और उसके अमल का भी है। जिस तरह से कानूनी मामलों में कहा जाता है कि न्याय प्रक्रिया ऐसी है कि अपराधियों को सजा नहीं होती है और उनका हौसला बढ़ जाता है। उसी तरह दलबदल के मामले में भी है। दलबदल करने वाले विधायकों या सांसदों पर महीनों, बरसों तक कोई कार्रवाई नहीं होती है। स्पीकर मामले को लटका कर रखते हैं और सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो जाता है। झारखंड में बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की का मामला चार साल से लंबित है। बंधु तिर्की काफी पहले विधायक से हट भी गए और उनकी जगह उनकी बेटी विधायक बन गई। लेकिन स्पीकर का फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र में भी सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद स्पीकर का फैसला आया। सोचें, ऐसे में कोई विधायक या सांसद दलबदल करने से घबराएगा? राजनीति में नैतिक मूल्यों की बहाली तो होते होते होगी लेकिन उससे पहले यह कानून बनना चाहिए कि अगर किसी पार्टी का विधायक या सांसद इस्तीफा देता है तो वह अनिवार्य रुप से विधानसभा या लोकसभा से इस्तीफा देगा और उसके फिर से चुनाव लड? पर एक निश्चित समय तक रोक रहेगी। इस तरह का कोई प्रभावी उपाय करना होगा।

-अजीत द्विवेदी

मुद्दा : नकारात्मक राजनीति से क्या हासिल

भगवती प्र. डोभाल

फरवरी महीने में राज्य सभा की 56 सीटें खाली हुई थीं, जिनमें 15 सीटों पर तीन राज्यों (उत्तर प्रदेश से दस, कर्नाटक से चार और हिमाचल से एक सीट) के लिए चुनाव कराए गए। बाकी 41 सीटों पर राज्य सभा निर्विरोध सदस्य बने लेकिन जिन पंद्रह सीटों पर चुनाव हुए, वह लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं देता। जैसे-हिमाचल में पूर्ण बहुमत की कांग्रेस सरकार थी, वहां से राज्य सभा की एक सीट के लिए चुनाव होना था। तय था कि कांग्रेस प्रत्याशी की इस सीट पर जीत होगी लेकिन भाजपा ने डिफेक्शन करवा कर कांग्रेस के छह विधायक तोडकर अपने प्रत्याशी को राज्य सभा में पहुंचा दिया। यहां पर भी अंकों का ऐसा खेल हुआ कि विधानसभा में कांग्रेस के 6 सदस्यों को मिलाने के बावजूद दोनों उम्मीदवारों को 40-40 मत मिले। बहुमत के लिए एक मत की दोनों सदस्यों को जरूरत थी, फिर टाई होने पर लॉटरी का सहारा लिया गया। इस खेल में भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार संसद के उच्च सदन यानी राज्य सभा में पहुंच गया। कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी हार गए और भाजपा प्रत्याशी हर्ष महाजन जीत गए। ऐसा ही 'खेल' भारत की जनता ने उत्तर प्रदेश में देखा जहां एक सीट को हथियाने के लिए भाजपा ने समाजवादी पार्टी के 6 सदस्यों को अपने काबू में किया। इस कारण उत्तर

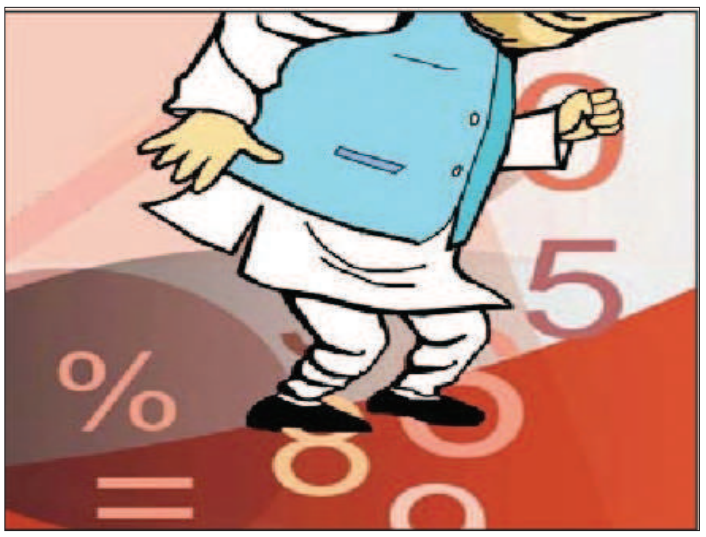

प्रदेश से एक और राज्य सभा सीट भाजपा पाने में सफल हुई।

अब हर व्यक्ति के मन में प्रश्न उठता है कि क्या लोकतंत्र में मतदाता, जिसने चुनाव के दौरान अपना मत दिया था उस पार्टी को जिसको वह विधानसभा या संसद में भेज चुका है-के मत का सम्मान उन पांच सालों के लिए किया गया है कि नहीं? इस प्रक्रिया पर नजर दौडाएं तो देश के नागरिकों को निराशा ही हाथ लगेगी। यदि ऐसे उदाहरणों पर गौर करें तो बहुत बडी लिस्ट बनती है; लेकिन कुछ उदाहरणों से देश में लोकतंत्र की तस्वीर पर समीक्षा की जा सकती है। महाराष्ट्र में इन पांच वर्षों में विधानसभा में ऐसे-ऐसे नाटक हुए हैं, जिनमें जनता द्वारा चुने हुए प्रत्याशियों ने अपने मतदाता के विश्वास को ध्वस्त किया। ऐसे ही गोवा में हुआ। मध्य प्रदेश में भी लोकतंत्र के प्रहरियों यानी विधायकों ने येन-केन-प्रकारेण अपनी जिजिप्सा को सत्ता सुख से समन किया। उत्तराखंड राज्य भी इसमें पीछे नहीं रहा। यहां इस मुद्दे पर विचार करना भी जरूरी है कि क्या ऐसे प्रत्याशियों, जो थाली के बैगन की तरह लुढ़कते हैं और अपने सिद्धांतों, ऐथिक्स और विचारों को ताक पर रखकर जनमत की भावनाओं से खेलते हैं, को कोई भी पार्टी, चाहे वह अखिल भारतीय हो या क्षेत्रीय, अपने से मुक्त रखने का प्रयास करेगी। आज आम चुनाव सामने हैं, इसलिए यह सोचना भी जरूरी है कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र का विकास की पहल उन दलों के पास है जो चुनाव में उतर रहे हैं। उन्हें अपने प्रत्याशियों का चयन इस तरह से करना होगा, जो अपनी पार्टी के लिए समर्पित रहें और जिस दल से चुन कर वे संसद में आएं, उसी दल के अनुशासन में अपने पांच वर्ष के कार्यकाल को संपन्न करें। इससे जिस जनता ने उन्हें सांसद या विधायक चुना है, उसका विश्वास उनके दल पर बना रहेगा। एक और मुख्य बात है। यदि जिस दल से सांसद या विधायक पांच वर्ष के लिए चुना गया है और उसे लगता है कि वह दल के कार्यकलाप से संतुष्ट नहीं है, तब उसे त्यागपत्र ही देना चाहिए। फिर उसे संसद में आना ही हो, तो दोबारा जनता का विश्वास प्राप्त करे। ऐसे बहुत से उदाहरण देश में मौजूद हैं, जब पार्टी से मतभेद होने पर सदस्य पार्टी और संसद से त्यापत्र देकर दोबारा चुनकर संसद में पहुंचे। राजनीतिक सिद्धांतों और नैतिकता के लिए ऐसा करना एक उत्कृष्ट राजनेता के लिए आवश्यक है।

1980 में जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं; उस समय कांग्रेस के महासचिव थे हेमवती नंदन बहुगुणा, जो ताजे-ताजे लोक सभा में पौडी गढ़वाल से चुनकर आए थे, लेकिन इंदिरा गांधी के साथ मत भिन्नता होने से उन्होंने कांग्रेस पार्टी और लोक सभा से त्यागपत्र दे दिया और दोबारा पौडी से संसद के उसी कार्यकाल में चुनाव लडा; गांधी के पास प्रचंड बहुमत होने के बावजूद बहुत सारे प्रयास हुए कि बहुगुणा को संसद में न आने दिया जाए, लेकिन जनता ने दोबारा बहुगुणा को संसद भेजा। आज ऐसे राजनेताओं की जरूरत है जो बिकें नहीं। पिछले एक दशक से ऐसा लग रहा है कि लोकतंत्र की चमक को धूमिल किया जा रहा है। इसको रोकने का एक ही उपाय है कि संसद या विधानसभा में जो चुनकर आया है, उसे दल बदलना है, तो सबसे पहले संबद्धसदन की सदस्यता से त्यापत्र देकर पुनः चुनाव लडे। वैसे एंटी डिफेक्शन कानून तो है, पर उसको नजरअंदाज किया जाता है। इसलिए दलबदलू नेताओं को जनता को पाठ पढ़ाना होगा।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर में लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

हॉबी तो होनी ही चाहिए

अगर तुम अपनी हॉबी को पूरे मन से करोगे और उसके बारे में और जानने-सीखने का प्रयास करोगे तो तुम्हें इसका काफी फायदा होगा। अगर तुम्हारी कोई हॉबी नहीं है तो आज बना लो। कैसे बनाओगे हॉबी और इसके फायदों के बारे में जानते हैं

हर बच्चे की कम से कम एक हॉबी होना बहुत जरूरी है। अगर तुम्हारी कोई हॉबी नहीं है तो गर्मियों की इन छुट्टियों में कोई हॉबी चुनो। हॉबी का मतलब है ऐसा काम, जिसे करने में तुम्हें मजा आए, जिसके बारे में तुम और जानना-सीखना चाहो। तुम नृत्य, गायन, संगीत, पेंटिंग, स्पोर्ट्स, राइटिंग आदि में से किसी को भी चुन सकते हो।

इन्हें बना सकते हो हॉबी

डांस - डांस करना एक अच्छी हॉबी है। इससे आत्मविश्वास, अनुशासन सीखते हैं। जिन बच्चों की डांस में रुचि है, उन्हें 4-5 साल की उम्र में डांस क्लास ज्वॉइन कर लेनी चाहिए, क्योंकि इस उम्र में शरीर बहुत लचीला होता है और डांस सीखने में आसानी होती है। डांस सीखने के कई फायदे हैं। यह तुम्हें फिट रखता है और आजकल टीवी पर आने वाले रियलिटी शो भी डांसर्स के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म है। बड़े होकर कोरियोग्राफर, एक्टर, डांसर के रूप में करियर बनाने में भी मदद मिलती है।

गायन

संगीत को एक बहुत उच्चकोटि की कला माना जाता है। गायन सीखने के लिए सुर और ताल की समझ होना जरूरी है। इसके लिए रोज रियाज करना पड़ता है। यह रियाज किसी गुरु की देखरेख में करना जरूरी है। अगर तुम्हें गायन में रुचि है तो जल्दी ही रियाज करना शुरू कर दो। मम्मी-पापा से कहकर किसी योग्य गुरु को चुनो। फिर तो तुम स्कूल के वार्षिकोत्सव और परिवारिक समारोहों में खूब वाहवाही बटोरोगे। साथ ही गाना गाना फेफड़ों को मजबूत बनाता है और तनाव कम करता है।

पेंटिंग

तुम में से कई बच्चों को पेंटिंग करना पसंद होगा। तुम नहीं करते हो तो अब शुरू करो। जो महसूस करते हो, उसे कागज पर उतारो। स्केचिंग क्लास भी ज्वॉइन कर सकते हो। पेंटिंग से रचनात्मकता बढ़ती है। निरंतर प्रयास करने से, धैर्य रखने का गुण विकसित होता है और राइटिंग अच्छी होती जाती है।

लेखन

लिखना एक बेहतरीन हॉबी है। लिखते समय तुम्हारी कल्पना कहीं भी जा सकती है। तुम यह न सोचना कि लिखने के लिए तुम्हारी उम्र अभी कम है। तुमने सुना ही होगा कि पाकिस्तान की मलाला यूसुफजई सबसे कम उम्र की है, जिसे नोबल शांति पुरस्कारों के लिए नामित किया गया है। जानते हो, उसने 11 साल की उम्र में ही डायरी लिखना शुरू कर दिया था। वह नाम बदलकर बीबीसी के लिए ब्लॉग भी लिखती थी। लिखने के इसी शौक और हौसले ने उसे पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया। तुम भी एक डायरी बनाओ और जो मन में है, उसे वैसा ही कागज पर उतार दो। हर रविवार को उस डायरी को पढ़ो, कुछ दिन बाद तुम खुद ही हैरान रह जाओगे कि क्या यह सब तुमने लिखा है।

मम्मी-पापा के लिए टिप्स...

बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, जिन बच्चों की कोई हॉबी नहीं होती उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। माता-पिता को भी अपने बच्चों को कोई हॉबी विकसित करने में सहायता करनी चाहिए। बच्चा जिस भी चीज को मन से करे, उसे वह करने की प्रेरणा देनी चाहिए।

हॉबी के हैं कई फायदे..

- पढ़ाई के बाद बचे समय का सही इस्तेमाल कर पाओगे।
- बड़े होने पर करियर बनाने में मदद मिलेगी।
- एक्टिव रहोगे, दूसरे बच्चों से घुलोगे-मिलोगे, क्रिएटिविटी बढ़ेगी।
- यह आत्मविश्वास बढ़ाती है।
- हॉबी से रचनात्मकता बढ़ती है, कुछ नया जानने-करने की प्रेरणा मिलती है।

हजारों साल पुराना

राशिचक्र

राशियों का तिलिस्म मानव को सदियों से उलझाता रहा है। पुरातत्वविदों ने क्रोएशिया में एड्रिआटिक सागर के समीप एक गुफा में दो हजार साल से अधिक पुराने राशिचक्र के अंशों का पता लगाया। राशिचक्र के करीब 30 टुकड़े मिले हैं जो हाथी दांत से बने हैं और उन पर हैलेनिक शैली में राशियां उकेरी गई हैं। कर्क, मिथुन और मीन राशियों को स्पष्ट तौर पर पहचाना जा सकता है लेकिन धनु राशि अधिक स्पष्ट नहीं है।

खुदाई के दौरान नाकोवाने की गुफा में ईसा पूर्व चौथी से पहली शताब्दी के बीच की एक शरणस्थली मिली जिसका संबंध इलीरिया नामक भारतीय यूरोपीय लोगों से था। ब्रह्मांड के रहस्य सुलझाने में लगे वैज्ञानिकों ने इस साल 'डीडीओ 190' नामक एक बहुत ही छोटी, अव्यवस्थित और अस्पष्ट सी आकाशगंगा का पता लगाया है। नासा-ईएस हबल अंतरिक्ष दूरबीन से प्राप्त तस्वीरों के जरिए इसका पता चला। डीडीओ 190 हमारे सौर मंडल से नब्बे लाख प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।

इसे मेसियर 94 आकाशगंगा समूह का छिटपुट हिस्सा ही माना जा रहा है, जो आकाशगंगा के स्थानीय समूहों से बहुत ज्यादा दूर नहीं है। अनबूझे रहस्य सुलझाने में लगे वैज्ञानिकों ने अगस्त में प्रोटीन के भीतर एक ऐसे सूक्ष्म कण का पता लगाया, जिससे इस ब्रह्मांड में मानव सबसे ज्यादा बुद्धिमान बन पाया। ब्रिटेन के कोलोराडो विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं ने प्रोटीन के डीयूएफ 1220 नामक कण का पता लगाया। जानवरों की तुलना में हमारा दिमाग इतना बड़ा और ज्यादा जटिल क्यों है, इसका जवाब इस कण में छिपा है। डीयूएफ 1220 एक प्रोटीन डोमेन है, जो बड़ी संख्या में पाया जाता है। अन्य प्रजातियों की तुलना में मानवों में इसकी मौजूदगी अधिक है। कनाडा के योहो नेशनल पार्क के बर्गेस शाले जीवाश्म तल पर मार्च में करीब 50.5 करोड़ वर्ष पुराने जीव का जीवाश्म मिला। यह अब तक मिला सबसे प्राथमिक कशेरुकी है। इस विशेषता के कारण इसे मानव समेत सभी कशेरुकियों का पूर्वज कहा गया। वैज्ञानिकों ने अगस्त में यह भी कहा कि करीब 20 लाख वर्ष पहले हमारी पूर्वज प्रजाति 'होमो इरेक्टस' के दौर में दो और आदि मानव प्रजातियां मौजूद थीं। उन्होंने केन्या की तुर्काना झील के पूर्व से नए जीवाश्म खोजे और उन्हें एक चेहरा, पूरा निचला जबड़ा और एक अन्य निचले जबड़े का हिस्सा मिला। बहरहाल, बड़े मस्तिष्क के आकार और सपाट चेहरे वाली खोपड़ी ने इस विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है कि अभिनूतन युग में 'होमो इरेक्टस' के साथ और कितनी आदि मानव प्रजातियां मौजूद थीं। मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अगस्त में फिलीपीन में उल्लुओं की दो नई प्रजातियों का पता लगाया। इन उल्लुओं की पहचान उनकी आवाज के अध्ययन के बाद की गई।

शौकिया तौर पर गुफाओं की खोज करने वालों ने अगस्त में दक्षिणी ओरेगन में मकड़ियों का नया परिवार खोज लिया। इनके डरावने पंजों के कारण वैज्ञानिकों ने इसे 'ट्रोग्लोरैप्टर' नाम दिया जिसका मतलब होता है गुफा का लुटेरा। वर्ष 1870 के बाद उत्तरी अमेरिका से इस तरह की यह पहली मकड़ी मिली है।

यह थे भविष्य के सबसे भयानक हथियार जो न ले सके आकार

मानव सभ्यता के साथ हथियार अत्यंत आवश्यक चीज मानी जाती हैं। अगर हथियार न होते तो इंसान अपने लिए भोजन नहीं जुटा पाता, जंगली जानवर उसके काबू में कभी नहीं आते। इसलिए आदिकाल से लेकर आज के समय में बेहतर हथियारों की होड़ बदस्तूर जारी है। यह हथियार किसी धर्म, देश आदि से खुद को बचाने के लिए इस्तेमाल किए गए। इसी कड़ी में देशों की सरकारें भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने बहुत सारा पैसा हथियारों के ऐसे महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट में लगा दिया, जिनकी कल्पना करना भी न के बराबर है। यह हथियार सनकी आइडिया के मामले में तो बेहतर थे, लेकिन कभी बन नहीं पाए।

लूनर न्यक्लियर बम (चंद्र परमाणु बम)

सोवियत यूनियन द्वारा अंतरिक्ष में पहला कदम रखने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए इज्जत का सवाल हो गया कि वह उससे बेहतर क्या कर सकते हैं। इस खुफिया योजना को प्रोजेक्ट 119-ए कहा जाता है, जिसका मिशन चंद्रमा पर परमाणु बम गिराना था। वह ऐसा करके अपने देशवासियों का मनोबल बढ़ाना चाहता था।

हालांकि ऐसा कभी हो नहीं सका। क्योंकि उन्होंने आंकड़ों पर नजर डालने के बाद तय किया कि चांद पर परमाणु बम गिराने से अच्छा उस पर कदम रखना है। इस तरह अमेरिका ने अपना पहला अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग चंद्रमा पर भेजा।

आइसबर्ग एयरक्राफ्ट कैरियर

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जहां जर्मन सेना ब्रिटेन और फ्रांस को पटखनी दे रही थीं। वहीं, ब्रिटेन एक बेहद ही खुफिया प्रोजेक्ट हबाकक पर काम कर रहा था। यह बर्फ और लकड़ी की छीलन से बना एयरक्राफ्ट था, लेकिन ब्रितानी सरकार ने लंबे अध्ययन के बाद पाया कि यह संसाधनों का दुरुपयोग ही होगा। इस तरह यह प्रोजेक्ट साकार नहीं ले पाया।

द फ्लाइंग डोरिटो

ए-12 एवेंजर-2 को फ्लाइंग डोरिटो के नाम से जाना जाता है। यह सभी मौसम के लिए उपयुक्त था। यह स्टील्थ बॉम्बर अमेरिकी नेवी और मरीन कॉर्प्स में इस्तेमाल होने वाले ग्रममैन ए-6 इंट्रूडर की जगह उपयोग में लाया जाना था। ए-12 के विकास पर लगने वाला पैसा और समय से अमेरिकी सरकार ने इसे बंद करना ही बेहतर समझा।

सोवियत डूम्स डे

इसके आज भी एक मिथ के रूप में देखा जाता है। 1990 में सोवियत मिलिटी पूर्व हाई रैंकिंग सदस्यऔर कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी के लोगों ने अमेरिकी रक्षा ठेकेदारों को इंटरव्यू सीरीज के दौरान डेड हैंड होने की बात बताई थी। इसका मतलब यह था कि रूस के पास फुली ऑपरेशनल न्यूक्लियर कंट्रोल सिस्टम था। इससे ऑटोमेटिकली रशियन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) लांच की जा सकती है। इस न्यूक्लियर हमले का पता भूकंप कंपन, रोशनी, रेडियोएक्टिव, घातक शक्ति संतुलन आदि में ही पहचाना जा सकता है।

द अनलैंडेड प्लेन

अमेरिका अपने विमान वाहक पोत का इस्तेमाल ऐसे एयरक्राफ्ट के लिए करना चाहता था, जिसे लैंड करने की जरूरत न हो। इसके लिए उसने एसएफवी सालमन प्लेन का निर्माण किया। यह विमान अपनी टेल (पूंछ) पर खड़ा होता था। इससे बाकी प्लेन के लिए जगह बचती थी। लेकिन पायलट के लिए सबसे बड़ी समस्या इसे सीधा लैंड करना था। यह बाकी प्लेन के मुकाबले भी काफी धीमा था और उड़ाना और मुश्किल। ऐसे में इसका आइडिया रद्द कर दिया गया।

इंट्रूडर फॉम द फ्यूचर

बी-70 को परमाणु बम ले जाने के लिए डिजाइन किया गया था। यह 15 मील की ऊंचाई तक उड़ सकता था और ध्वनि की गति से भी तेज था। यह विमान एविएशन ड्रीम की तरह था। अत्यधिक खर्च के कारण इसे टाल दिया गया। हालांकि इनके दो प्रोटोटाइप इस्तेमाल किया जा रहा है। इनमें से एक 1966 में हवा में विस्फोट के साथ ध्वस्त हो गया।

द थंडरस्क्रीच

एक्सएफ-84 एक्सपेरिमेंटल टबरेप्रोप है, जो टर्बाइन इंजन सुपरसोनिक प्रोपलर से बना है। लेकिन इसके शोर के कारण इंजन को 25 मील दूर तक इसकी आवाज सुनी जा सकती थी।

प्ले स्टोर का शुल्क न देने वालों में कई कंपनियां शामिल

नई दिल्ली । गूगल ने कहा कि कई जानी-मानी फर्मों सहित कई कंपनियां उसके बिलिंग मानदंडों का उल्लंघन कर रही हैं। ये कंपनियां बिक्री पर लागू प्ले स्टोर सेवा शुल्क का भुगतान नहीं कर रही हैं। इसके साथ ही गूगल ने चेतावनी दी कि वह गूगल प्ले पर ऐसे गैर अनुपालन वाले एप्प को हटाने में संकोच नहीं करेगा। कंपनी ने कहा कि नीतियों को लागू करने के लिए जरूरी कार्यवाही की जाएगी। कुछ प्रमुख भारतीय स्टार्टअप के गूगल प्ले की बिलिंग नीति पर आपत्ति जताने और हाल में पेश हुए, स्वदेश एप्प स्टोर इंडस एप्पस्टोर की पृष्ठभूमि में गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि ज्यादातर डिवैल्पर अपना उचित हिस्सा दे रहे हैं और एक छोटा समूह अलग व्यवहार कर रहा है। ऐसे में अन्य सभी एप्प और गेम को प्रतिस्पर्धी नुक्सान हो रहा है। गूगल ने कहा कि इन डिवेल्पर को तैयारी के लिए तीन साल से अधिक का समय दिया गया।

जेजी केमिकल्स का आईपीओ 5 मार्च को खुलेगा

अहमदाबाद । जेजी केमिकल्स का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पांच मार्च को खुलेगा। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उत्पादन और राजस्व के मामले में भारत के सबसे बड़े जिंक ऑक्साइड निर्माता जेजी केमिकल्स लिमिटेड ने अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए दस रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य बैंड 210 से 221 रुपये तय किया है। कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए पांच मार्च मंगलवार को खुलेगा और सात मार्च गुरुवार को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 67 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 67 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

बीईई ऊर्जा खपत में 3.5 फीसदी कमी लाने में सहायकः सिंह

नई दिल्ली । बिजली मंत्रालय के अधीन आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के कार्यक्रमों और उपायों ने देश को सालाना ऊर्जा खपत 3.5 प्रतिशत तक घटाने में सहायता की है। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने कहा कि इससे वार्षिक कार्बन उत्सर्जन में 30.6 करोड़ टन की कमी आई है। बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्री ने बीईई के 22वें स्थापना दिवस पर यह बात कही। बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बीईई ने भारत को अपनी ऊर्जा खपत लगभग 3.5 प्रतिशत कम करने और सालाना 30.6 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन कटौती में मदद की है। बीईई के महानिदेशक अभय बाकरे के साथ मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

गूगल भ्रामक खबरों पर लगाएगी रोक

मुंबई। दिग्गज कंपनी गूगल ने शक्ति, इंडिया इलेक्शन फैक्ट-चेकिंग कलेक्टिव नाम से एक नई व्यवस्था शुरू की है। 2024 के आम चुनाव से ठीक पहले शुक्रवार से शुरू हुई इस पहल का मकसद ऑनलाइन माध्यम से डीपफेक सहित भ्रामक जानकारियों एवं सामग्री का प्रसार रोकना है। शक्ति, इंडिया इलेक्शन फैक्ट-चेकिंग कलेक्टिव देश में समाचार प्रकाशकों एवं तथ्यों की जांच करने वाली इकाइयों का समूह है। डेटालीड्स मिसइन्फॉर्मेशन कॉम्बैट अलायंस पूरे भारत में शुरू की गई इस पहल की अगुआई तथ्यों की जांच करने वाले अन्य समूहों की मदद से करेगा। इस पहल को गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआई) का भी समर्थन प्राप्त होगा। इस नई व्यवस्था पर गूगल ने कहा कि भारत में आम चुनाव समाप्त होने तक यह पहल स्वतंत्र फैक्ट चेकर एवं भारतीय भाषाओं में सामग्री प्रकाशित करने वाले लोगों एवं समूहों को एक दूसरे से जोड़ेगी। इससे उन्हें चुनाव से जुड़े तथ्यों की जांच और सही जानकारी साझा करने के लिए एक मंच मिल जाएगा। इससे डीपफेक, भ्रामक खबरों की जांच और इन पर अंकुश लगाने में समय बचाने में मदद मिलेगी। गूगल ने कहा कि वीडियो सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं प्रारूपों में तथ्यों की जांच के बाद प्रामाणिक जानकारियां साझेदार समाचार प्रकाशकों के साथ साझा करने में मदद मिलेगी।

पेमेंट बैंक ढांचे की समीक्षा करेगा आरबीआई

- बिजनेस मॉडल और आगे की राह पर रहेगा जोर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पेमेंट बैंकों के ढांचे के हर पहलू का जायजा ले सकता है। देश में पेमेंट बैंकों को लाइसेंस 27 नवंबर 2014 को जारी किए गए थे, जिसके करीब एक दशक बाद उनकी व्यापक समीक्षा की जा रही है। इसमें प्रशासन के पैमानों के साथ कारोबारी मॉडल की व्यावहारिकता पर गौर किया जाएगा और यह भी देखा जाएगा कि किस तरह के बदलावों की जरूरत है। इसका सीधा असर उन पेमेंट बैंकों पर पड़ सकता है, जो लघु वित्त बैंक (एसएफबी) बनना चाहते हैं क्योंकि एसएफबी के नियामकीय पूंजी ढांचे की व्यापक समीक्षा करने पर भी विचार चल रहा है। इसका जिक्र भारत में बैंकिंग के रुझान और प्रगति 2022-23 रिपोर्ट में भी किया गया है। पेमेंट बैंक अपनी स्थापना के करीब एक दशक बाद वित्त वर्ष 2023 में मुनाफे में आए। पिछले वित्त वर्ष में ब्याज से उनकी आय ब्याज पर होने वाले खर्च से ज्यादा हो गई। साथ ही संपत्तियों पर रिटर्न और इक्विटी पर रिटर्न भी सकारात्मक हो गया। लगातार तीन साल तक घटने वाला ब्याज मार्जिन भी 2022-23 में बढ़कर 3.7 फीसदी हो गया, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 2.3 फीसदी ही था। पेमेंट बैंकों को अभी दिन के अंत में खाते में 2 लाख रुपये तक ही शेष रखने की इजाजत है, जिसे बढ़ाने की मांग वे कई साल से आरबीआई से कर रहे हैं। शुरुआत में यह सीमा 1 लाख रुपये ही थी, जिसे 7 अप्रैल, 2021 को बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया। इससे भी ज्यादा अहम मांग कर्ज देने के बारे में है। वे माइक्रोफाइनैंस क्षेत्र को उधार देने की इजाजत मांग रहे हैं और कर्ज की उचित सीमा तय किए जाने पर उन्हें कोई एतराज नहीं होगा। 2014 में पेमेंट बैंक लाइसेंस के लिए करीब 40 अर्जी आई थीं, जिनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज (भारतीय स्टेट बैंक के साथ), आदित्य बिड़ला समूह (आइडिया), भारती एयरटेल और वोडाफोन के अलावा ऑक्सीजन जैसे बिजनेस कौरस्पॉन्डेंट भी शामिल थे। उस समय रिटेल समूह फ्यूचर ग्रुप भी इस होड़ में था। अगर लघु फाइनैंस बैंक के लाइसेंस में दिलचस्पी रखने वाले करीब 70 उम्मीदवारों को भी शामिल कर लिया जाए तो बुनियादी बैंकिंग को काफी आकर्षक माना जा रहा है। पेमेंट बैंक केवल भारत में मिलते हैं।

टॉरेंट पावर को रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट मिला

मुंबई । टॉरेंट पावर ने कहा कि उसे ग्रिड से जुड़ी चौबीस घंटे उपलब्धता वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आरईएमसीएल) से आवंटन पत्र (एलओए) मिला है। टॉरेंट पावर ने कहा कि परियोजना बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर होने के 24 महीने के अंदर चालू हो जाएगी। लगभग 325 मेगावाट नवीकरणीय क्षमता स्थापित करने की परियोजना लागत लगभग 2,700 करोड़ रुपये है। इसके तहत 100 मेगावॉट क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा 24 घंटे की आपूर्ति के लिए है। कंपनी ने कहा कि 325 मेगावाट क्षमता की नवीकरणीय क्षमता में पवन, सौर और बैटरी भंडारण शामिल है। परियोजना 25 साल की अवधि के लिए 4.25 रुपये प्रति किलोवाट (यूनिट) की दर पर हासिल किया गया है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 5.49 करोड़ का जुर्माना

- एफआईयू ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर मनी लांड्रिंग का आरोप

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की कार्यवाही के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) लगातार चर्चा में है। आरबीआई की ओर से लगाए गए प्रतिबंध के अलावा पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अब एक और झटका लगा है। दरअसल, पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर वित्त मंत्रालय की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू) की गाज गिरी है। एफआईयू ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर मनी लों ड्रिंग का आरोप लगाते हुए 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने पाया कि कई संस्थाओं ने आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक के अकाउंट्स का इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि आरबीआई ने 29 जनवरी को आदेश जारी करते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 29 फरवरी के बाद नए डिपॉजिट्स लेने और क्रेडिट ट्रांजेक्शंस पर रोक लगाने का आदेश दिया था। हालांकि बाद में आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 15 मार्च, 2024 तक राहत दे दी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा ने इस्तीफा दे दिया था। शर्मा ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक के नॉन-एजीक्यूटिव चेयरमैन और बोर्ड मेंबर का पद छोड़ दिया था। इसके साथ ही बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को पुनर्गठित किया गया है। बता दें कि आरबीआई की कार्यवाही के बाद 9 फरवरी को पेटीएम ने कहा था कि बाजार` नियामक सेबी के पूर्व चेयरमैन एम दामोदरन की अगुवाई में एक ग्रुप एडवाइजरी कमेटी बनाई है। यह कमिटी इसे कंप्लॉयंस और रेगुलेशन पर सलाह देगी। 3 सदस्यों की इस कमेटी में आईसीएआई के पूर्व प्रेसिडेंट एमएम चिताले और आंध्रा बैंक के पूर्व सीएमडी आर रामचंद्रन हैं।

स्पेशल ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाई पर रहे

- सेंसेक्स 128.7 अंक चढ़कर 73,879 अंक पर पहुंचा

- निफ्टी 58.15 अंक चढ़कर 22,396 अंक पर बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में शनिवार को विशेष कारोबार के दूसरे और अंतिम सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा और दोनों मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त में रहे। बाजार के जानकारों का कहना है` कि जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का आंकड़ा बेहतर रहने और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से बाजार में तेजी बनी रही। इस ` विशेष सत्र में निफ्टी के 6 स्टॉक्स नई ऊंचाई पर, टाटा ग्रुप के दो शेयर में भी दिखी ताबड़तोड़ खरीदारी देखी गई। शे निवार को पहली बार डिजास्टर रिकवरी पर लाइव ट्रेडिंग हुई। दो हिस्से में हुई ट्रेडिंग में निफ्टी 50 के 6 शेयर इंट्रा-डे में एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गए। इसमें से दो शेयर तो टाटा ग्रुप के हैं। विशेष सत्र में घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए।` विशेष सत्र के दौरान निफ्टी 50 के छह शेयर नई ऊंचाई पर पहुंचे जिसमें से चार तो ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। टाटा ग्रुप का एक शेयर टाटा स्टील रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया जबकि टाटा मोटर्स के शेयर 13 साल के हाई पर पहुंच गए। टाटा स्टील के शेयर 3.6 फीसदी की बढ़त के साथ 155.35 रुपये पर बंद हुए जबकि इंट्रा-डे में यह 156.2 रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा था। इसके अलावा टाटा ग्रुप के एक और स्टॉक टाटा मोटर्स ने 13 साल का उच्च स्तर छू लिया। टाटा मोटर्स के शेयर इंट्रा-डे में 992.6 रुपये की ऊंचाई पर पहुंचे थे। दिन के आखिरी में यह 1.19 फीसदी के उछाल के साथ 989 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) बड़े व्यवधान से निपटने की अपनी तैयारी को परखने के लिए शनिवार को इक्विटी एवं इक्विटी वायदा एवं विकल्प खंड में विशेष कारोबारी सत्र का आयोजन किया गया। विशेष कारोबारी सत्र के दौरान लेनदेन को प्राथमिक साइट (पीआर) से डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट पर स्थानांतरित करके उसकी कार्यप्रणाली को जांचा जाएगा। डीआर से आशय संकट या आपदा के समय संस्थान की आईटी प्रणाली और आंकड़ों को तेजी से बचाने, नुकसान को सीमित करने और सामान्य कारोबार पर लौटाने की योजना से है। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स विशेष कारोबार सत्र के दूसरे हिस्से में 128.7 अंक चढ़कर 73,879.58 अंक पर पहुंच गया। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 58.15 अंक चढ़कर 22,396.90 अंक पर रहा। शेयर बाजारों के अनुसार दो सत्र आयोजित हो रहे हैं। पहला सत्र प्राथमिक साइट पर सुबह 9:15 बजे से 10 बजे तक और दूसरा सत्र डिजास्टर रिकवरी पर सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चला। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं गिरावट वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल हैं। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में उम्मीद से कहीं अधिक 8.4 प्रतिशत रही। यह किसी तिमाही में डेढ़ साल में तीव्र वृद्धि दर है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 128.94 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। सेंसेक्स शुक्रवार को 1,245.05 और निफ्टी 355.95 अंक मजबूत होकर नई ऊंचाई पर बंद हुए थे।

एलआईसी से सरकार को ढाई हजार करोड़ का डिविडेंड मिला

- कंपनी के शेयरों में उछाल, 70 फीसदी बढ़े

मुंबई ।

भारत सरकार को एक कंपनी से डिविडेंड के रूप में 2,441 करोड़ की राशि मिली है। ये राशि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम ने डिविडेंड के तौर पर दी है। इस बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने 2,441.44 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक सौंपा है। बता दें इस मौके पर `` वित्त से चिव विवेक जोशी भी उपस्थिति थे। एलआईसी के चेयरमैन ने वित्त मंत्री को ये चेक सौंपा। इसी बीच एलआईसी के शेयरों में भी उछाल देखा गया। शुक्रवार को 0.69 फीसदी की तेजी के साथ 1,029.90 रुपये के भाव पर बंद हुए। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 8.93 फीसदी की तेजी आई है। वहीं पिछले 6 महीने में इसके शेयरों का भाव करीब 56.38 फीसदी बढ़ा है। पिछले एक साल में एलआईसी ने 71.34 फीसदी का अच्छा रिटर्न दिया है।

दिसंबर में एलआईसी ने बाजार मूल्यांकन के हिसाब से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को पछाड़कर देश की सबसे मूल्यवान पीएसयू फर्म बन गई। अब तक रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,46,521.81 करोड़ के बाजार पूंजीकरण के साथ भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी है, इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और एलआईसी पर हैं। एलआईसी आईपीओ के लॉन्च के एक साल बाद कंपनी के स्टॉक को अक्सर बाजार विशेषज्ञों द्वारा धन विनाशक के रूप में स्तर पर किया गया था। हालांकि कंपनी का शेयर पिछले 5-6 महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केंद्र सरकार ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से एलआईसी में 22.13 करोड़ से अधिक शेयर हिस्सेदारी बेची।

बार्सिलोना स्पेन में सैमसंग गैलेक्सी रिंग पेश

-रिंग हेल्थ का रखेगी खूब ध्यान

नई दिल्ली (ईएमएस)। बार्सिलोना स्पेन में जारी एमडब्ल्यूसी 2024 के दौरान सैमसंग ने गैलेक्सी रिंग को पेश कर दिया है। गैलेक्सी अनपेक्ड 2024 इवेंट के दौरान सैमसंग ने अपने पहले स्मार्ट रिंग के लिए टीजर जारी किया था। कंपनी अभी किसी भी विजिटर को इसे ट्राई करने के लिए नहीं दिया गया। लेकिन, इस सैमसंग वियरेबल डिवाइस के काफी सारे फीचर्स जारी कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग गैलेक्सी रिंग यूजर्स का हार्ट रेट, रेस्पिरेटरी रेट और स्लीप रिकॉर्ड जैसे डेटा को ट्रैक करेगी। ये रिंग एक वाइटैलिटी स्कोर भी शो करेगी, जो यह देखने के लिए कि आप कितने प्रोडक्टिव हो सकते हैं, फिजिकल और मेंटल रेडीनेस के बारे में डेटा कलेक्ट करता है। यूजर्स इस डेटा को सैमसंग हेल्थ ऐप के जरिए एक्सेस कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग इसमें एक पेमेंट फीचर भी शामिल कर सकता है। ताकी गैलेक्सी रिंग के जरिए यूजर्स कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स कर सकें। साथ ही इस रिंग की बिक्री यूएस में इसी साल हो सकती है। हालांकि, कीमत और लॉन्च डिटेल फिलहाल सामने नहीं आई है।ये स्मार्ट रिंग सिरेमिक ब्लैक, प्लैटिनम सिल्वर और गोल्ड कलर ऑप्शन में आ सकती है। इस रिंग में हार्ट रेट, मूवमेंट, ब्रीदिंग पैटर्न और स्लीप साइकल ट्रैकर जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। इस रिंग में एआई बेस्ड फीचर्स भी दिए जा सकते हैं। एक कंपनी एग्जीक्यूटिव ने बताया है कि कंपनी इस वियरेबल डिवाइस में ग्लूकोज मॉनिटरिंग और ब्लड प्रेशर सेसिंग टेक्नोलॉजी भी दे सकती है।

हुंडई आई20 एन लाइन की लांचिंग की तैयारी

-मार्केट पर कब्जा जमाने आ रही नई कारे

नई दिल्ली ।

हुंडई कंपनी की आई20 एन लाइन एसयूवी इस साल भारत में लॉन्च करने की तैयारी चल रही है। नई हुंडई आई20 एन लाइन का खुलासा हाल ही में ग्लोबल मार्केट में किया गया है और अब उम्मीद है कि कंपनी बहुत जल्द इसे भारत में लॉन्च करेगी।

हुंडई आई20 एन लाइन को पिछले साल सितंबर में लॉन्च किया गया था और तब से ही यह परफॉर्मेंस की चाह रखने वालों को खूब पसंद आ रही है। 2024 आई20 एन लाइन में क्या खास होने वाला है? आइए जानते हैंज रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2024 आई20 एन लाइन अपने प्री फेसलिफ्ट वर्जन के मुकाबले अधिक स्पोर्टी डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ आएगी। अपकमिंग आई20 एन लाइन में नया स्पोर्टी फ्रंट और रियर बंपर मिल सकता है, जिसपर रेड एक्सेंट दिया जाएगा।

इसके अलावा नए डिजाइन के रेडियेटर ग्रिल पर एन लाइन बैजिंग भी देखने को मिलेगी। यह कार नए डिजाइन के 17-इंच डायमंड कट अलॉय व्हील्स के साथ आएगी।

इसके अलावा कार में डुअल क्रोम एग्जॉस्ट भी दिया जाएगा। ग्लोबल मार्केट में नई आई20 एन लाइन को चार नए रंगों में पेश किया गया है, जिनमें लुमेन ग्रे पर्ल, मेटा ब्लू पर्ल, वाइब्रेंट ब्लू पर्ल और लुसिड लाइम मैटेलिक शामिल हैं।

यह कार मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, मल्टी कलर एम्बिएंट लाइटिंग, सिंगल पैन सनरूफ, वायरलेस चार्जर, फुल डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बोस साउंड सिस्टम से लैस होगी।

नई आई20 एन लाइन को 1.0 लीटर टर्बो चार्ज्ड पेट्रोल इंजन दिया जाएगा। यह इंजन 6 स्पीड मैनुअल और 7 स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स से जुड़ा होगा।

यह इंजन 118 बीएचपी की पीक पॉवर और 172 एनएम का मैक्सिमम टॉर्क जनरेट करने में सक्षम होगा।

यहां बता दें कि हुंडई एक ऐसी कार पेश कर रही है जिसका डिजाइन तो शानदार है ही, साथ ही इसका पॉवर और परफॉर्मेंस भी बलेनो से काफी बढ़िया है।

अब कंपनी इसे कार को 2024 वर्जन में लाने की तैयारी कर रही है जिसमें कई नए अपडेट और फीचर्स देखने को मिलेंगे।

बलेनो और आई20 को किया जा रहा काफी पसंद

-6 लाख में खरीदो और 15 साल तक मौज करो

नई दिल्ली ।

कार खरीदने से पहले बजट से लेकर कार के डिजाइन और लुक्स तक सभी चीजें मायने रखती हैं। कार खरीदने वालों के लिए एक सही कार चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। मार्केट में अच्छे डिजाइन परफॉर्मेंस के मामले में बलेनो और आई20 को काफी पसंद किया जाता है। यह दोनों अपने सेगमेंट की बेस्ट सेलिंग गाड़ियां हैं। हालांकि, अगर आपका बजट कम है तो इन दोनों गाड़ियों की कीमत आपको महंगी पड़ सकती है। इनकी मेंटेनेंस और पार्ट्स भी महंगे आते हैं। ऐसे में मारुति स्विफ्ट एक बढ़िया ऑप्शन है। स्विफ्ट को भारत में 2005 में लॉन्च किया गया था। तब से ये सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल है। सड़कों पर आज भी 10 से 15 साल पुरानी स्विफ्ट आसानी से मिल जाती हैं। ये कार काफी लंबी चलती हैं। स्विफ्ट की कीमत 6 लाख रुपये से शुरू होती है और 8.98 लाख रुपये तक जाती है। ये चार वेरिएंट एलएक्सआई, वीएक्सआई, झेड एक्सआई और झेडएक्सआई+ में उपलब्ध है। वीएक्सआई और झेडएक्सआई मॉडल के साथ सीएनजी का ऑप्शन भी मिल जाता है। इसे तीन डुअल-टोन और छह मोनोटोन कलर में खरीदा जा सकता है। इसमें पर्ल मिडनाइट ब्लैक रूफ के साथ सॉलिड फायर रेड, पर्ल आर्कटिक व्हाइट रूफ के साथ पर्ल मेटैलिक मिडनाइट ब्लू, पर्ल मिडनाइट ब्लैक रूफ के साथ पर्ल आर्कटिक व्हाइट, मैटेलिक मैग्मा ग्रे, पर्ल मिडनाइट ब्लू, पर्ल आर्कटिक व्हाइट, मैटेलिक सिल्की सिल्वर, सॉलिड फायर रेड और पर्ल मैटेलिक ल्यूसेंट ऑरेंज का ऑप्शन है। मारुति स्विफ्ट 1.2-लीटर ड्यूलजेट पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो 90पीएस की पावर और 113 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन या एएमटी गियरबॉक्स मिल जाता है। माइलेज बढ़ाने के लिए हैचबैक में स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम भी मिलता है। यह कार पेट्रोल से चलने पर 22.38 केएम/लीटर और सीएनजी से चलने पर 30.90 केएम/केजी का माइलेज देती है।

स्विफ्ट में 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, हाइट-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, क्रूज कंट्रोल, ऑटो एसी और एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी हैडलाइट्स शामिल हैं। बता दें कि पहली बार कार खरीदना हर किसी के लिए एक्साइटिंग होता है। लोग कार खरीदने के लिए कई दिनों तक रिसर्च करते हैं।

वियतनाम की विनफास्ट ईवी ने प्लांट लगाना किया शुरू

-टेस्ला अपनी योजना को नहीं उतार पाई जमीन पर

नई दिल्ली ।

वियतनाम की एक इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी विनफास्ट ईवी ने भारत में प्लांट लगाना शुरू भी कर दिया है। वहीं अमेरिकी कंपनी टेस्ला अपनी योजना को अभी तक जमीन पर नहीं उतार पाई है। वियतनाम की कंपनी तमिलनाडु के थूथुकुडी में 400 एकड़ में प्लांट का निर्माण शुरू कर रही है। कंपनी ने देश में अपनी इलेक्ट्रिक कारों के लिए डीलरशिप विकसित करने की बात भी कही है। विनफास्ट ने भारत में अपने प्लांट में अगले पांच वर्षों में लगभग 4,144 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के प्लांट की क्षमता सालाना 1.5 लाख वाहन तैयार करने की होगी। कंपनी का कहना है कि ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट राज्य में 3,000 से 3,500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा।ऑटोमोटिव उद्योग में एक नए प्लेयर के रूप में विनफास्ट ने 2017 में वियतनाम में आधिकारिक तौर पर परिचालन शुरू किया। शुरुआत में, ईवी निर्माता ने बीएमडब्ल्यू कारों पर आधारित स्कूटर और मॉडल पेश किए। 2021 में, विनफास्ट ने वियतनाम में तीन इलेक्ट्रिक कारें, दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक बस लॉन्च करके अपनी पेशकश का विस्तार किया। अगले वर्ष, विनफास्ट ने अमेरिका, यूरोप और कनाडा में शोरूम स्थापित करके अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना शुरू किया। विनफास्ट वर्तमान में अमेरिका में वीएफ8 और वीएफ9 एसयूवीएस और कनाडा में वीएफ6 और वीएफ 7 एसयूवीएस जैसे मॉडल बेचती है।विनफास्ट ने भारत में प्लांट लगाने की शुरुआत कर दी है। हालांकि, इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन शुरू होने में अभी कुछ समय लग सकता है। खबरों की मानें तो कंपनी 2025 से भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री शुरू कर सकती है। शुरुआत में कंपनी पूरी तरह से बने हुए मॉडलों (सीबीयू) को भारत लाएगी, जिसके बाद 2026 तक भारत में पूरी तरह से नॉक-डाउन (सीकेडी) यूनिट्स पेश किए जाएंगे। इसके बाद स्थानीय रूप से बने मॉडल पेश किए जाएंगे। पहले कुछ मॉडल विनफास्ट वीएफ 7 और विनफास्ट वीएफ 6 जैसे एसयूवी और क्रॉसओवर हो सकते हैं। बता दें कि भारत इलेक्ट्रिक कारों के लिए एक उभरता हुआ बाजार है। यही वजह है कि टेस्ला और फोर्ड जैसी दुनिया की बड़ी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनियां देश में अपनी इलेक्ट्रिक कारों की बेचना चाहती है।

पेट्रोल-डीजल कई शहरों में सस्ता, कहीं महंगा

- ब्रेंट क्रूड 83.39 डॉलर प्रति बैरल पर बंद

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को कूड में कारोबार 2 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। ब्रेंट क्रूड 83.39 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। गुजरात, आंध्रा प्रदेश, केरल और कर्नाटक समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है, जबकि महाराष्ट्र, हिमाचल और ओडिशा में दाम बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

आयरलैंड की पहली टेस्ट जीत को कप्तान बालबर्नी ने बताया बेहद खास

नई दिल्ली । आयरलैंड की पहली टेस्ट जीत को कप्तान बालबर्नी ने बेहद खास बताया है। दरअसल आयरलैंड ने 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला था लेकिन इसके बाद से बालबर्नी जीत के इंतजार में थे। बलबर्नी ने अफगानिस्तान पर छह विकेट की जीत के बाद कहा कि मैं इस जीत पर विश्वास नहीं कर सकता। यह बिल्कुल सही है। आप इस पूरे समूह से पूछें कि यह कितना खास है! हमारे बहुत से लोगों को टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला। हम जानते थे कि यह संघर्षपूर्ण चीजें होंगी। यह सिर्फ एक हरफनमौला प्रदर्शन है। हम इसे लेकर बिल्कुल और बेहद तोर पर उत्साहित हैं। आपको यह देखना होगा कि कार्यक्रम कितना व्यस्त है। दुनिया में बहुत सारा क्रिकेट चल रहा है। हमने आयरिश कप्तान ने कहा कि परिणाम पैदा किए हैं और इतिहास रचा है। बंदर पीछे है। ऐसा करना बहुत खास है। बता दें कि आयरलैंड 111 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जल्दी ही लड़खड़ा गया था। इस पर कप्तान बालबर्नी ने कहा कि हम एक साझेदारी दूर थे। जाहिर है, थोड़ी घबराहट थी, हम अपनी पहली जीत का पीछा कर रहे थे। एकमात्र टेस्ट में दोनों पक्षों के बीच का अंतर शुरुआती दिन, विशेषकर तेज गेंदबाजों द्वारा किया गया शानदार और क्लिनिकल गेंदबाजी प्रयास था। वहीं मार्क अडायर ने पांच विकेट लिए जिससे आयरिश खिलाड़ियों ने अफगानों को 155 रन पर समेट दिया।

पेरिस हॉकी ओलंपिक टूर्नामेंट के मैच शेड्यूल 6 मार्च को ओलंपिक हाउस में घोषित किए जाएंगे

लुसाने (स्विट्जरलैंड)

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने यह घोषणा की है कि पेरिस 2024 हॉकी ओलंपिक टूर्नामेंट (महिला और पुरुष) के मैच शेड्यूल का अनावरण 6 मार्च को आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम द्वारा लुसाने में ओलंपिक हाउस में किया जाएगा. ओलंपिक के हॉकी टूर्नामेंट पेरिस के पास, कोलंबस में यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम के ऐतिहासिक स्थल में खेले जाएंगे - जो 1924 में ओलंपिक खेलों का मैदान था. 12 पुरुषों और 12 महिलाओं की राष्ट्रीय टीमें अत्यधिक प्रतिष्ठित ओलंपिक पदक जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी. एफआईएच के अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने कहा, एफआईएच की ओर से और अपने व्यक्तिगत नाम से, मैं पेरिस 2024 की तैयारी में इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति के लिए अध्यक्ष बाक के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं. एक ओलंपिक खेल के रूप में 1908 से और ओलंपिक आंदोलन के एक सक्रिय सदस्य के रूप में, हम सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि आईओसी अध्यक्ष हमें अपना कुछ कीमती समय देंगे. ये ओलंपिक खेल हमारे शताब्दी वर्ष के दौरान हो रहे हैं, जो इसे वैश्विक हॉकी समुदाय के लिए और भी खास बनाता है. हम कुछ ही महीनों में पेरिस में एक शानदार आयोजन की आशा कर रहे हैं! 6 और 7 मार्च को लुसाने में होने

वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग कार्यशाला के साथ, पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग लेने वाले अधिकांश हॉकी राष्ट्रीय संघ अनावरण समारोह में भाग लेंगे.

आयरलैंड ने भारत,न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ा

सबसे तेजी से पहली टेस्ट जीत हासिल करने वाली छठी टीम बनी

अबू धाबी ।

आयरलैंड की टीम ने एकमात्र टेस्ट में अफगानिस्तान को छह विकेट से हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब आयरलैंड सबसे तेजी से पहली टेस्ट जीत हासिल करने वाली छठी टीम बन गयी है। इस मामले में आयरलैंड ने भारत, श्रीलंका, दक्षिण अफ़्रीका और न्यूज़ीलैंड जैसी टीमों को भी पीछे छोड़ दिया है। साल 2018 में टेस्ट प्रारूप में अपनी शुरुआत के छह साल बाद, ही आयरलैंड की टीम ने केवल आठ मैचों के बाद ही पहली जीत दर्ज कर ली है। ऑस्ट्रेलिया को पहली टेस्ट जीत इंग्लैंड के खिलाफ, 1877 में उद्घाटन मैच में ही मिल गयी। वहीं इंग्लैंड और पाकिस्तान ने अपना दूसरा टेस्ट मैच जीता। वहीं भारत को अपना पहला टेस्ट मैच जीतने के लिए 25 मुकाबल लगे। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका ने 12 मैच खेलने के बाद अपना पहला टेस्ट मैच जीता जबकि न्यूजीलैंड ने 45वें मैच

में अपनी पहली जीत हासिल की। अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के लिए 111 रन के छोटे से लक्ष्य का सामना करते हुए आयरलैंड की टीम शुरुआत में ही पिछड़ गई। इसके बाद कप्तान एंडी बालबर्नी के नाबाद 58 रनों के अलावा लोर्कन टकर के नाबाद 27 रनों से टीम ने जीत दर्ज की। बालबर्नी की शानदार पारी ने आयरलैंड को रोमांचक मुकाबले में जीत मिली। इसके अलावा बैरी मैक्कार्थी (3-48), मार्क अडायर (3-56) और क्रेग यंग (3-24) की शानदार गेंदबाजी की भी इसमें अहम भूमिका रही।

सानिया ने कहा , कई खिताब जीतने के बाद भी लोग शादी के बारे में पूछते थे

हैदराबाद । शीर्ष महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने कहा है कि जब वह नंबर खिलाड़ी थीं तो लोग इस बात को लेकर पूछते थे कि वह कब शादी करेंगी। इस दौरान उन्होंने कई खिताब जीते थे पर लोगों का ध्यान उनपर नहीं जाता था। सानिया और उनके पति पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक हाल ही में अलग हो गये थे। सानिया ने तलाक के बाद की पहली बार एक भावुक पोस्ट में एक विज्ञापन छोटी सोच पर प्रतिक्रिया दी है और उसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका संदेश जमकर वायरल हुआ है। ये विज्ञापन एक ब्यूटीशियन की कहानी पर आधारित है, जिसे कार खरीदने के बाद अपने पड़ोसियों और छोटे भाई की ओर से कई सवालों का सामना करना पड़ता है। इस विज्ञापन को रिट्वीट करते हुए सानिया ने लिखा, 2005 में मैंने युगल खिताब जीतकर एक उपलब्धि हासिल की थी तब भी लोग उसपर ध्यान देने की जगह ये पूछते थे कि वह कब घर बसाएंगी। साथ ही कहा कि छह ग्रैंड स्लैम जीतना नंबर एक रैंकिंग वाला भारतीय खिलाड़ी बनना भी समाज के लिए काफी नहीं था। मैं खेल के दौरान प्रशंसकों के समर्थन की आभारी हूं पर इसके बाद भी ये सोचने से अपने को नहीं रोक सकती कि क्यों एक महिला की उपलब्धियां उसके कौशल और काम की जगह लैंगिक अपेक्षाओं और दिखावे से कम मानी जाती हैं। सानिया ने साथ ही कहा कि समाज के बारे में वास्तविक बातचीत करना कठिन और कभी-कभी असुविधाजनक होता है पर हम महिलाओं की सफलता के साथ कैसे जुड़ते हैं, इस पर आत्मनिरीक्षण करना भी जरूरी है।

न्यूजीलैंड को पहला टेस्ट जीतने 258 रनों की और जरुरत

ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में 164 रनों पर सिमटी

वेलिंगटन । मेजबान न्यूजीलैंड टीम को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के लिए 258 रनों की और जरुरत है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में 164 रनों पर ही सिमट गयी थी। जिसके बाद मेजबान कीवी टीम को जीत के लिए 369 रनों का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने तीन विकेट पर 111 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय बल्लेबाज रचिन रवींद्र 94 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की सहायता से 56 रन बनाकर नाबाद थे। वहीं डेरिल मिशेल 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई के सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने 31 जबकि उस्मान ख्वाजा ने 33 रन बनाये पर इसके बाद कैमरून ग्रीन ने 275 गेंदों पर 174 रन बनाकर स्कोर 383 रनों तक पहुंचा दिया। कैमरून के अलावा मिशेल मार्श ने 40 और हेजलवुड ने 22 बनाये। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हैनरी 70 रन देकर 5 विकेट लिए। इस मैच में न्यूजीलैंड की शुरूआत काफी खराब रही। टॉमलैथम 5, विल यंग 9, केन विलियमसन 0 तो रचिन रवींद्र 0 पर आऊट हो गए। इसके बाद टॉम ब्लंडल ने 33 तो ग्लेन फिलिप्स ने 70 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 71 रन बनाए। इसके बाद मैट हैनरी ने 34 गेंदों पर चार छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर स्कोर 179 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लियोन ने 43 रन देकर 4 विकेट लिए। स्टीव स्मिथ एक बार फिर से फेल हो गए। स्मिथ 0 तो लबुछेन 2 ही रन बना पाए। ख्वाजा ने 28 रनों का योगदान दिया। इसके बाद नाथन लियोन ने एक मोर्चा संभालकर 46 गेंदों पर 41 रन बनाए। पहली पारी में शतक लगाने वाले कैमरून ग्रीन 80 गेंदों पर 34 रन ही बना पाए। ट्रेविस हेड ने 29 तो स्टार्क ने 12 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 45 रन देकर 5 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टॉम लैथम 8, विल यंग 15 तो केन विलियमसन 9 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रचिन रवींद्र और डेरिल मिशेल ने अच्छी साझेदारी कर स्कोर स्कोर 111 तक पहुंचाय। कैमरन ग्रीन के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 383 रन बनाए। वहीं मेजबान कीवी टीम ने अपनी पहली पारी में ग्लेन फिलिप्स के 71 रन की सहायता से केवल 179 रन ही बनाये।

संक्षिप्त समाचार

धर्मशाला में एक अहम रिकार्ड बना सकते हैं एंडरसन

धर्मशाला । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन सात मार्च से धर्मशाल में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में एक अहम उपलधब्धि अपने नाम कर सकते हैं। 41 साल के एंडरसन इस मैच में दो विकेट लेने के साथ ही 700 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन। अब तक केवल दो दिग्गज स्पिनरों श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन और ऑस्ट्रेलिया के शेन वार्न के नाम ही ये रिकार्ड है। धर्मशाला की तेज पिच पर एंडरसन भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए मुसीबत पैदा कर सकते हैं। एंडरसन यदि वह धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में 2 विकेट झटकने में सफल हो जाते हैं तो फिर उनके नाम टेस्ट में 700 विकेट दर्ज हो जाएंगे। एंडरसन ने 186 टेस्ट मैचों में अबतक 698 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने पारी में 32 बार 5 विकेट लिए हैं जबकि 32 बार वह पारी में 4 विकेट ले चुके हैं। वहीं एक टेस्ट मैच में 3 बार वह 10 विकेट भी उनके नाम हैं। एंडरसन ने 399 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 985 विकेट लिए हैं। उनके नाम 194 एकदिवसीय में 269 विकेट जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय में 18 विकेट हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000 विकेट के आंकड़े पर पहुंचने के लिए उन्हें 15 विकेट चाहिये। टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में मुरलीधरन 800 टेस्ट लेकर पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया के वॉर्न के 708 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। एंडरसन ने भारत के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में 8 विकेट लिए हैं। हैदराबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट मैच में उन्हें शामिल नहीं किया गया था। दूसरे टेस्ट में उन्होंने पांच जबकि तीसरे टेस्ट में एक विकेट लिया था।

ऑस्ट्रेलिया को सबसे कम, न्यूजीलैंड को सबसे अधिक समय में मिली पहली जीत

नई दिल्ली । भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद अपनी पहली जीत 19 साल बाद मिली थी। भारतीय टीम ने अपना पहला टेस्ट मैच 1932 में खेला था और उसे पहली जीत 1951 में मिली। टेस्ट क्रिकेट में पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीम के बीच खेला गया था। इसमें पहली जीत ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिली थी। टेस्ट क्रिकेट का पहला मुकाबला साल 1876-77 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। इस ऐतिहासिक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने केवल चार दिनों में ही इंग्लैंड को 45 रन से हरा दिया। इसके बाद कोई भी टीम ये कारनामा नहीं कर पायी। पहली टेस्ट जीत सबसे कम समय में ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की। वहीं सबसे ज्यादा समय 26 साल के बाद न्यूजीलैंड को पहली जीत मिली। पहले मुकाबले में इंग्लैंड को उसने 4 दिन में ही हरा दिया। वहीं दूसरे नंबर पर पाकिस्तान की टीम है। पाक ने भारत के साथ 16 अक्टूबर 1952 में पहली सीरीज खेलने के बाद दूसरे मुकाबले में ही जीत हासिल कर ली। पाक टीम ने टेस्ट खेलने के 11 दिन बाद ही जीत दर्ज कर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इंग्लैंड की टीम को पहली जीत अपने टेस्ट खेलने के 21वें दिन मिली थी। वेस्टइंडीज को पहली टेस्ट जीत हासिल करने में 1 साल 248 दिन लगे। जिम्बाब्वे को 2 साल 17 दिन के बाद पहली टेस्ट जीत मिली थी।

प्रीमियर के दौरान कोमिला विक्टोरियन को हराकर फॉर्च्यून बरिशाल बनी विजेता

नई दिल्ली ।

फॉर्च्यून बरिशाल ने कोमिला विक्टोरियन को हराकर बांग्लादेश प्रीमियर लीग 2024 अपने नाम कर ली है। गौरतलब है कि ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में फॉर्च्यून ने कोमिला विक्टोरियन को 6 विकेट से हरा दिया। कोमिला ने पहले खेलते हुए मेहदी इस्लाम के 35 गेंदों पर 38, जाकिर अली के 20 तो आंद्रे रसेल के 14 गेंदों पर 27 रन की बदौलत 154 रन बनाए थे। इसके जवाब में खेलने उतरी फॉर्च्यून बरिशाल ने ओपनर तमित इकबाल (39) और मेहदी हसन मिराज (29) की बदौलत तेजतर्रार शुरूआत की। इसके बाद कायल मायर्स ने 30 गेंदों पर 46 रन बनाकर टीम को जीत की ओर धकेल दिया। वहीं फॉर्च्यून बरिशाल बीपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही थी। उन्होंने 12 में से केवल 7 मुकाबले जीते थे लेकिन फाइनल में उन्होंने 12 में से 8 मुकाबले जीतने वाली कोमिला को हरा दिया। हालांकि पहले से ही कोमिला की ओपे निंग खराब रही। ओपनर सुनील नेरेन 5, कप्तान लिटन दास 16 तो तौहीद 15 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद जॉनसन चार्ल्स भी 17 गेंदों पर 15 रन बनाकर आऊट हो गए। मध्यक्रम में मेहदी इस्लाम ने 35 गेंदों पर दो चौके और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाकर टीम को राहत दी। जबे कि फॉर्च्यून की ओर से गेंदबाजी करते हुए कायल मायर्स ने 26 रन देकर 1, सैफुद्दीन ने 37 रन

देकर 1, जेम्स फुलर ने 43 रन देकर 2 विकेट लीं। इधर फॉर्च्यून की शुरूआत बेहद शानदार रही थी। कप्तान तमिम इकबाल ने मेहदी हसन मिराज के साथ मिलकर आठ ओवरों में पहले विकेट के लिए 76 रन जोड़े। तमिम ने 26 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 39 रन बनाए। इस दौरान मेहदी ने 29 रन बनाए। इसके बाद कायल मायर्स ने 30 गेंदों पर 5 चौके और दो छक्कों की मदद से 46 रन बनाए और टीम को जीत दिला दी।

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने श्रेयस अय्यर को दी सलाह, विवाद को छोड़कर खेल पर ध्यान दें

मुंबई ।

श्रेयस अय्यर की रणजी में वापसी पर कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि वह पिछले विवाद को छोड़कर इस समय खेल पर अपना ध्यान दें। गौरतलब है कि इस समय बीसीसीआई द्वारा केंद्रीय अनुबंध से बाहर करने के चलते श्रेयस अय्यर चर्चा में है। बताया जा रहा है कि अय्यर ने जान बूझकर रणजी ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल छोड़ा था। इसी बीच मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि श्रेयस अय्यर केंद्रीय अनुबंध संबंधित विवाद को पीछे छोड़कर शनिवार से यहां तमिलनाडु के खिलाफ शुरू हो रहे रणजी ट्राफी सेमीफाइनल में टीम के लिए धमाकेदार प्रदर्शन करें। श्रेयस के साथ झारखंड के इशान किशन को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सालाना केंद्रीय अनुबंध में जगह नहीं मिली क्योंकि दोनों खिलाड़ी अपनी टीम के लिए रणजी ट्राफी मैच में नहीं खेले थे। श्रेयस पीठ की दर्द की शिकायत के कारण बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के क्वार्टरफाइनल में नहीं खेले थे। रहाणे ने कहा कि वह काफी अनुभवी खिलाड़ी है। जब भी वह मुंबई के लिए खेले हैं, उनका योगदान शानदार रहा है। रहाणे ने कहा कि सेमीफाइनल के लिए हमारी टीम में उनकी मौजूदगी शानदार है। तमिलनाडु के खिलाफ श्रेयस को मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए किसी तरह की प्रेरणा या सलाह की जरूरत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि उसे किसी तरह की सलाह या प्रोत्साहन की जरूरत है। उसने मुंबई के लिए हमेशा बल्ले से योगदान दिया है और ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी से अन्य खिलाड़ियों को भी टीम के लिए योगदान करने में मदद मिलेगी। रहाणे ने साथ ही पुष्टि की कि सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव ऊंगली की चोट से उबर गए हैं जिसके कारण क्वार्टरफाइनल में उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी थी। उसकी ऊंगली में चोट लगी थी, तभी वह बल्लेबाजी क्रम में नीचे खेलने उतरा था। हम उसे मुशीर खान से पहले भेजना चाहते थे लेकिन इंजेक्शन के असर से वह उसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरा। ले किन अब वह अपने अंदाज में ही खेलें।

अनुबंध से बाहर होने के कारण ईशान, अय्यर को अब नहीं मिलेंगी कई सुविधाएं

मुम्बई (ईएमएस)। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) केन्द्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद अब कई सुविधाएं नहीं मिलेंगी। बीसीसीआई की ओर से सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को उनके ग्रेड के अनुसार साल में एक तय रकम मिलती है जो अब इन दोनो को नहीं मिलेगी। जो खिलाड़ी बीसीसीआई अनुबंध सूची में नहीं होते उन्हें केवल खेले गए मैचों की संख्या के हिसाब से ही मैच फीस मिलती है। बीसीसीआई अनुबंध नहीं होने के कारण अब ये दोनो बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) का उपयोग तभी कर पायेंगे जब उन्हें अपने संबंधित राज्य अधिकारियों से अनुमति मिलेगी। इसके अलावा अब इन दोनो को चिकित्सा बीमा भी नहीं मिलेगा। केन्द्रीय अनुबंध होने पर ही एनसीए के साथ ही चिकित्सा बीमा की सुविधा भी मिलती है। इसके अलावा भी ये दोनो कई अन्य सुविधाओं का उपयोग नहीं कर पायेंगे। सचिव जय शाह सहित बीसीसीआई के आदेश के बाद भी इन दोनो ने रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेले थे। ईशान तब बड़ौदा में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ ट्रेनिंग करते दिखे थे। वह रणजी ट्रॉफी में झारखंड की ओर से भी खेलने के लिए नहीं उतरे थे। वहीं दूसरी ओर अय्यर ने अपने को अनफिट बताकार मुम्बई की ओर से रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल नहीं खेला था जबकि एनसीए ने उन्हें फिट घोषित कर दिया था। इससे बीसीसीआई ने उन्हें भी अनुबंध से बाहर कर दिया। श्रेयस आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के प्री-सीजन कैंप में भी खेल रहे थे। चयनकर्ता इस बात से भी नाराज थे।

कपिल ने घरेलू क्रिकेट को लेकर बीसीसीआई के फैसले को सही बताया

बोले, कुछ खिलाड़ियों को होगी परेशानी पर देश से बढ़कर कुछ भी नहीं

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों को केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिये जाने का फैसला सही है। इस महान ऑलराउंडर ने कहा कि इससे कुछ खिलाड़ियों को जरुर परेशानी हो सकती है पर ये जरुरी है क्योंकि देश से आगे कोई भी नहीं है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट को अनिवार्य बनाया जाना रणजी जैसे प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट को बनाये रखने के लिए जरूरी है। इससे पहले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन और श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई ने साल 2023-24 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से बाहर कर दिया था। जिससे बाद विवाद शुरु हो गया था। इस मामले में मिलीजुली मिश्रित प्रतिक्रिया जिसमें पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद और इरफान पठान ने कहा था कि एक दो खिलाड़ियों को निशाना बनाने की जगह सभी के लिए ये अनिवार्य हो। वहीं कपिल ने कहा कि घरेलू क्रिकेट के महत्व को बनाये रखने के लिए बीसीसीआई को फैसला लेना ही था। उन्होंने कहा, ''हां, कुछ खिलाड़ियों को परेशानी हो होगी। कुछ लोगों को तकलीफ होगी पर देश से बढ़कर कोई नहीं है ये बहुत अच्छा फैसला है।''

साथ ही कहा, ''मैं बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट का दर्जा बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने के लिए बधाई देता हूं।

मुझे यह देखकर दुख होता था कि एक बार खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में स्थापित कर लेते हैं तो वे घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना बंद कर देते थे।''

बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध की घोषणा करते हुए खिलाड़ियों से घरेलू प्रतियोगिताओं को महत्व देने को कहा था।

इस क्रिकेटर ने कहा, ''यह संदेश पहले ही दिया जाना चाहिए था। बीसीसीआई का यह कड़ा कदम स्वागत योग्य है जो घरेलू क्रिकेट की प्रतिष्ठा बरकरार रखने के लिए लाभप्रद होगा।'' कपिल ने साथ ही कहा कि टीम में स्थान बना चुके अनुभवी खिलाड़ियों की भी जिम्मेदारी है कि वे घरेलू क्रिकेट खेले क्योंकि उन्हें अपने संबंधित राज्यों की ओर से खेलते हुए ही ये सफलता मिली है। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से इस प्रक्रिया में भरोसा करता हूं कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अपने संबंधित राज्य के लिए अपने को उपलब्ध करायें। इससे घरेलू खिलाड़ियों को उनका समर्थन मिलने से मदद मिलती है। साथ ही यह राज्य संघ द्वारा दी गयी सेवाओं को वापस लौटाने का भी अच्छा तरीका है।'' कपिल ने इसके साथ ही पूर्व क्रिकेटरों की पेंशन बढ़ाने के लिए भी बीसीसीआई का आभार व्यक्त किया है।

पांड्या टेस्ट नहीं खेलते इसलिए उनकी तुलना ईशान और श्रेयस से नहीं कर सकते : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर किये पाने के मामले को लेकर कई पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाए हैं। इन खिलाड़ियों का कहना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहे पर उन्हें अनुबंध दिया है। इसी को लेकर अब पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने एक बयान दिया है। आकाश ने बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि हार्दिक को प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलने के लिए दंडित नहीं किया जा सकता क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलते हैं। चोपड़ा ने कहा, पांड्या का मामला बहुत सरल है। अगर उसने कोई गलती नहीं की है तो आप उसे सजा क्यों देंगे? वह रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेल रहा है। इसलिए यदि आप टेस्ट के लिए बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं तो कोई भी आपको प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने के लिए नहीं कहेगा। आप चार दिवसीय खेल क्यों खेलेंगे जब आपके शरीर में इतने ओवर फेंकने की ताकत नहीं है और चोट की समस्या है? तो उन्हें क्यों खेलना चाहिए। चोपड़ा ने हार्दिक की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से अनुपलब्धता पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक ने कभी भी ईशान किशन और श्रेयस अय्यर की तरह खेल नहीं छोड़ा, इसलिए हार्दिक की स्थिति की तुलना किशन और अय्यर से नहीं की जा सकती। हार्दिक पांड्या ने डीवाई पाटिल टी20 कप में रिलायंस 1 टीम का नेतृत्व करते हुए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है।

हीमोफीलिया से पीड़ित 32 वर्षीय हिम्मतभाई मंगेकिया को सूरत के नए सिविल अस्पताल की मदद से 1 करोड़ रुपए से ज्यादा के मुफ्त इलाज से मिली नई जिंदगी

सूरत।

सूरत सिविल अस्पताल ने 1 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से गंभीर वंशानुगत रक्त विकार, हीमोफिलिया से पीड़ित 32 वर्षीय हिम्मतभाई मंगेकिया का इलाज करके च्सकट की श्रृंखलाज साबित कर दी। इसके साथ ही सूरत न्यू सिविल हॉस्पिटल की स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता में एक और कदम जुड़ गया है। सूरत सिविल ने पहले भी ऐसी अन्य गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज किया है।

दुर्घटना के कारण हिम्मतभाई के हाथ में फ्रैक्चर हो गया और अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने और उनका ऑपरेशन करने के लिए न्यू सिविल अस्पताल द्वारा 1 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इलाज किया गया। हीमोफीलिया के च्दुर्लभतमज मामले में, सूरत के सिविल डॉक्टरों ने एक मरीज को ठीक किया जिसमें एक हीमोफीलिया रोगी में एक दुर्लभ गंभीर चरण के कारण उसके इलाज के लिए नोवा फैक्टर -7 की 122 शीशियां (शीशियां) और फिबा की 176 खुराक का उपयोग किया गया था। जिसकी लागत बढ़कर 1 करोड़ रुपये हो गई है.

हड्डी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नागेश देसाई ने कहा कि हिम्मतभाई मंगेकिया, जिन्हें 1 फरवरी को एक दुर्घटना के कारण हाथ में फ्रैक्चर के कारण सिविल में भर्ती कराया गया था, हीमोफिलिया के एक दुर्लभ चरण से भी पीड़ित हैं, जिसके कारण वह अत्यधिक रक्तस्राव के कारण कम्पार्टमेंट सिंड्रोम विकसित हुआ। जिसमें खून एक जगह जमा होने से हाथ के अगले हिस्से तक खून नहीं पहुंच रहा था। इसके चलते उन्हें तुरंत अत्यधिक रक्तस्राव रोकने के लिए नोवा फैक्टर 7 और फिबा दवाएं दी गईं।

मूल रूप से बोटाद जिले के गहदा तालुका के लाखनका गांव के रहने वाले हैं और पिछले 12 वर्षों से सूरत में रह रहे हैं। वह हीरा उद्योग में काम करके जीविकोपार्जन करता है। सिविल में इलाज के दौरान दवाओं के सकारात्मक प्रभाव के कारण उनका सफल ऑपरेशन संभव हो सका और लगातार फैक्टर 7 देने से उनकी हालत में भी सुधार हुआ। फिर 21 फरवरी को उनके हाथ की सफल स्किन ग्राफ्ट सर्जरी की गई. हड्डी विभाग के डॉक्टरों की एक टीम ने लगातार निगरानी की और लगातार ड्रेसिंग की, जिससे उनकी हालत में लगातार सुधार हो रहा था।

इसके अलावा, नोवा फैक्टर 7 की 122 शीशियां और फीबा की 176 खुराक, जो बहुत महंगी हैं, की कीमत 1 करोड़ रुपये आई है, लेकिन नवी सिविल में स्थित हीमोफिलिया सेंटर की मदद से हिम्मतभाई के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हर दवा समय पर, पर्याप्त मात्रा में और निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। और एक महीने के इलाज के बाद वह पूरी तरह से ठीक हो गए।

हिम्मतभाई ने कहा कि, दुर्घटना के बाद हम घंटों तक इलाज के लिए विभिन्न निजी अस्पतालों में भागते रहे। लेकिन मेरी हालत जानकर सभी ने इलाज से इनकार कर दिया और जैसे ही हमें नए सिविल अस्पताल जाने की सलाह दी गई तो हमें यहां भर्ती कर लिया गया। सिविल में मेरा तुरंत उपचार शुरू हुआ और मुझे आवश्यक दवाएँ दी गईं और मेरे हाथ का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। यहां डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की मदद से एक महीने बाद घर वापस आकर मैं बहुत खुश हूं।

हिम्मतभाई के साथ रहने वाले उनके चचेरे भाई खोदाभाई ने सरकारी अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ रूपये की निःशुल्क चिकित्सा सहायता किसी भी मध्यम वर्गीय परिवार के लिए वरदान है। हमने व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है कि सिविल विशेषज्ञों की समयबद्धता और सटीक निदान और उपचार प्रसिद्ध निजी अस्पतालों से कम नहीं है।

नए सिविल अधीक्षक डॉ. गणेश गोवेकर के नेतृत्व और आरएमओ डॉ. केतन नायक के संयोजन में हड्डी विभाग के यूनिट प्रमुख डॉ. अंशुल गुप्ता,डॉ. शिव आचार्य, डॉ. संकेत सुतारिया, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नागेश देसाई और डॉ. क्रुणाल चौधरी के साथ-साथ नर्सिंग स्टाफ समेत सीनियर-जूनियर रेजिडेंट्स की टीम ने पूरे इलाज के लिए कड़ी मेहनत की।

वुमन बॉक्स क्रिकेट में "पॉवर पंचर्स" रही विजेता

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा महिलाओं के लिए वुमन बॉक्स क्रिकेट का आयोजन शुक्रवार को वेसू स्थित सी.बी. पटेल क्रिकेट ग्राउंड में किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोडिया ने बताया कि लीग में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया। लीग में पॉवर पंचर्स विजेता एवं फ़ीयरलेस फाइटर उपविजेता बनी। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। लीग में दर्शकों के लिए लकी ड्रॉ, क्वेश्चन-आंसर, सरप्राइज आदि का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर महिला शाखा की अनीता केडिया, संजू खेमानी, सोनिया गोयल, सरोज अग्रवाल, आरती मित्तल, सीमा कोकरा सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल की ताशा मोदी ने अखिल भारतीय समुद्री तैराकी प्रतियोगिता - 2024 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया

सूरत । द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल की ताशा मोदी (9-ई सीबीएसई) ने 33वीं वीर सावरकर अखिल भारतीय समुद्री तैराकी प्रतियोगिता - 2024 में भाग लिया। युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयुक्त द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में ताशा ने अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि - तैराकी के प्रति उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और जुनून का प्रमाण है। उन्हें सरकारी सांस्कृतिक विभाग से 50,000/- का चेक और पूज्य श्रीमोटा, हरिः ओम आश्रम, सूरत से 2,01,000/- का प्रथम पुरस्कार चेक मिला। ताशा मोदी को हमारे युवा प्रबंध निदेशक श्री किशनकुमार मांगूकिया द्वारा हमारे संस्थान में अध्ययन करने तक निःशुल्क शिक्षा छात्रवृत्ति दी गई है। उन्हें स्कूल परिवार और प्रबंध निदेशक श्री किशनकुमार मांगूकिया, कैंपस निदेशक श्री आशीष वाघानी और प्रिंसिपल श्री तृषार परमार सर द्वारा सम्मानित किया गया।

विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन आज

सुरत भुमि, सूरत। बाबा श्याम के फाल्गुन मेले के उपलक्ष में श्री श्याम परिवार द्वारा विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन रविवार को किया जाएगा। इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य एवं अलौकिक दरबार वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम के लखदातार हॉल में कोलकाता के कारीगरों द्वारा सजाया जायेगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम पाँच बजे से अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। विशाल भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार जयप्रकाश सोनी, अजीत दाधीच, संगीता गुप्ता के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गुरुजी जयशंकर चौधरी भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन में भव्य दरबार, अखण्ड ज्योत, इत्र-फुहार, पुष्प वर्षा, महाप्रसाद, छप्पन भोग, सवामणि आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

नायी- लिम्बाचिया समाज का गौरव

सूरत भुमि। एडवोकेट जयेशकुमार उमाकांत नायी दिनांक. 1 मार्च 2024 को भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय, कानूनी मामलों के विभाग द्वारा नोटरी से सम्मानित किए जाने पर नई-लिंबाचिया परिवार की ओर से बधाई।

स्विम-प्रुफ ड्यूरेबिलिटी के साथ ऑनर चॉइस वॉच की सेल 4 मार्च से शुरू

नई दिल्ली । ऑनर ने अपनी एआईओटी डिवाइसेज़ में नई स्मार्टवॉच - ऑनर चॉइस वॉच पेश की है, जिसकी बिक्री ब्रांड की वेबसाइट - www.explorehonor.com, अमेज़न.इन और आपके नजदीकी मेनलाइन स्टोर्स पर 4 मार्च 2024, दोपहर 12:00 बजे से शुरू होगी। ब्लैक और व्हाइट कलर वैरिएंट्स में लॉन्च की गई इस घड़ी का मूल्य 6,499 रुपये है, जो 500 रुपये के इंट्रोडक्टरी डिस्काउंट के साथ केवल 5,999 रुपये में खरीदी जा सकती है।

इस स्मार्टवॉच में कई इनोवेटिव फीचर्स जैसे 1.95-इंच का विशाल एमोलेड अल्ट्रा-थिन डिस्प्ले और तीव्र एवं सटीक पोजिशनिंग के लिए बिल्ट-इन मल्टी-सिस्टम जीएनएसएस है, जो नैविगेशन एवं ट्रैकिंग की क्षमताएं बढ़ा देता है। इसके अलावा इसमें वन-क्लिक एसओएस ब्लूटूथ कॉलिंग और अत्यधिक लंबी बैटरी लाइफ है, जो एक बार चार्ज करने पर सामान्य उपयोग में 12 दिनों तक चलती है, जिसमें रात में 7 घंटे तक लगातार नींद की मॉनिटरिंग भी शामिल है। यह 5 एटीएम वॉटर रेजिस्टेंट भी है, जिसके कारण यह स्विमिंग, सर्फ़िंग आदि पानी की गतिविधियों के लिए उत्तम है।

ऑनर चॉइस वॉच ऑनर हेल्थ ऐप की मदद से स्मार्टफोन से आसानी से कनेक्ट हो जाती है। यह ऐप स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और विभिन्न आउटडोर एवं फिटनेस की गतिविधियों के लिए अद्वितीय और अनुकूलित वर्क आउट मॉड्यूल्स निःशुल्क प्रदान करता है। इसमें एक ऑल-डे स्ट्रेस मॉनिटरिंग फंक्शन है, जो विभिन्न अंतरालों पर लगातार हार्ट रेट के संकेतों को एकत्र करके तनाव का स्तर माप लेता है। इसलिए यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों की मॉनिटरिंग के लिए एक समर्पित सहयोगी है।

एचटेक के सीनियर वीपी एवं जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सी पी खंडेलवाल ने कहा, "हम ऑनर चॉइस वॉच पेश करके उत्साहित हैं। यह एक स्टाइलिश वियरेबल डिवाइस है, जिसमें सामान्य फ़ीचर्स के अलावा स्विम-प्रूफ ड्यूरेबिलिटी और वन-क्लिक एसओएस कॉलिंग जैसी असाधारण फंक्शनलिटीज हैं। यह नई उत्पाद श्रेणी भारत में ऑनर उत्पादों का सुगम कनेक्टेड परिवेश स्थापित करने का हमारा उद्देश्य प्रदर्शित करती है। एक तरफ हम अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ अपने ग्राहकों की संतुष्टि को भी महत्व देते हैं, और चाहते हैं कि हमारा ब्रांड ग्राहकों का भरोसेमंद रहे। ऑनर के उत्पाद ग्राहकों की समस्याएं हल करने के लिए बनाए गए हैं। हमें विश्वास है कि नई लॉन्च की गई ऑनर चॉइस वॉच भारतीय बाजार में हलचल मचा देगी।"

ऑनर चॉइस वॉच पूरे दिन आपके स्वास्थ्य का ख़्याल रखती है। चाहे दिन हो या रात, यह वॉच आपके स्वास्थ्य की निगरानी करती रहती है, और हल्के से भी परिवर्तन को भाँपकर आपके स्वास्थ्य की सतर्क प्रहरी बनती है। यह वॉच हार्ट रेट, SpO2 और तनाव स्तर एक क्लिक में माप लेती है, जिसमें आमतौर पर 60 सेकंड लगते हैं। अपने अपग्रेडेड हार्ट रेट एल्गोरिदम और एडवांस्ड सेंसर्स के साथ यह डिवाइस हार्ट रेट की निरंतर और सटीक निगरानी करती है। SpO2 मॉनिटरिंग के लिए इस वॉच के सेंसर लाल और इन्फ्रारेड लाइट एवं एडवांस्ड एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं, और खून में ऑक्सीजन के स्तर का अनुमान लगाकर व्यक्तिगत रिमाइंडर प्रदान करते हैं, जिससे सक्रिय रूप से स्वास्थ्य का प्रबंधन होता है और सम्पूर्ण परफ़ॉर्मेंस में सुधार आता है।

सूरत मिलेट एक्सपो में आई शमशादबेन जैविक उत्पाद बनाकर बनीं आत्मनिर्भर: देश-विदेश से आ रहे हैं ऑर्डर

सूरत ।

नवसारी जिले के खेरगाम की एक महिला किसान शमशादबेन मुल्ला, अंदरूनी इलाके से होने और कम पढ़ी-लिखी होने के बावजूद, अपने अनूठे विचार के साथ गुलाब की खेती और इसके मूल्य संवर्धन की शुरुआत करके एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं। वे विभिन्न जैविक उत्पादों का स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर 60 हजार रूपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन गये हैं। दो बेटियों, बेटे और पति की मदद से वे गुलाब से गुलकंद, गुलाब जल, फेस पैक, आयुर्वेदिक हेयर ऑयल, गुलाब-तुलसी-आंवला-गले का पाउडर, मीठी नीम-करियातु-ममेजवा-नीम-सतावरी जैसे कई पाउडर बनाती हैं। सरगवा की पत्तियां-सरगवा फली-भृंगराज., वेजन्ती फ्लोर्स समेत कई सामान बनाती है और देश-विदेश में बेचती है. वह यह राय व्यक्त कर रहे हैं कि सरकार द्वारा आयोजित मेलों के प्रचार-प्रसार के कारण हमारे जैविक उत्पादों की मांग विदेशों में बढ़ी है।

मजूरागेट स्थित श्री दयालजी अनाविल केलवानी मदाल, दयालजी देसाई चौक पर 3 मार्च तक आयोजित तीन दिवसीय बाजरा एक्सपो में जैविक उत्पाद बेचने आए शमशादबेन जाकिरहुसेन मुल्ला शिक्षित हैं और काम से ज्यादा गुलाब की खेती कर कमाते हैं। खेरगाम में एक बीघा जमीन.

आज के आधुनिक युग में शिक्षित होना बहुत जरूरी है, लेकिन शिक्षा न मिलने के बावजूद साधन संपन्नता के साथ आगे बढ़ना संभव है, यह शमशादबेन ने साबित कर दिखाया है। उन्हें एक महिला किसान और एक सशक्त महिला के रूप में भी पहचान और प्रसिद्धि मिली है।

शमशादबेन का कहना है कि 14 साल पहले वह खेती-मजदूरी करता था। वर्षों पहले पिछड़े इलाकों में महिलाओं को शिक्षा के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं था। लेकिन मेरे मन में कुछ नया करने और स्वरोजगार करने की ललक थी। अतः उगाए गए गुलाब के पौधे से विभिन्न जैविक उत्पाद बनाने का काम शुरू किया गया और इससे अच्छा रोजगार मिलने लगा।

शुरुआती दिनों में वह सड़क पर बैठकर अपने उत्पाद बेचा करती थीं। साथ ही विभिन्न प्रदर्शनियों, मेलों में भाग लेना शुरू किया और धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए। अब मुझे इस काम से प्रति माह 60 हजार की आय हो रही है। गुलाब से बने जैविक उत्पादों की विदेशों में भी मांग है। वह कहते हैं, पर्यटक मेरे गांव में जैविक उत्पाद खरीदने आते हैं।

जयस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के एम्प्लॉयीज के लिए इंदौर पुलिस की साइबर क्राइम और अवेयरनेस की क्लास

इन्दौर, संवाददाता चंद्रकांत सी पूजारी ।

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर ने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर, वहां के एम्पलाईज को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

सायबर अवेयरनेस के तहत सॉफ्टवेयर कंपनी जयस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने, अपनी 206 वीं कार्यशाला मे उक्त कंपनी के करीब 300 एम्प्लॉयीज को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों को बताते हुए, उन्हें पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की शिकायतों की केस स्टडी के आधार पर, विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों की जानकारी दी।

उन्होंने सभी से कहा कि हम सभी दिन प्रतिदिन इन नई-नई तकनीकों से रूबरू हो रहे है, लेकिन जल्दबाजी में इसमें ध्यान रखने वाली सावधानियों पर ध्यान नहीं देते है और यही इन साइबर अपराधियों के लिए सबसे बड़ा मौका बन जाता है।

इन खतरों से बचने का एकमात्र समाधान जानकारी और जागरूकता ही है। अतः हम छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर अपनी वर्चुअल दुनिया को भी सुरक्षित बना सकते हैं।

इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी गण भी उपस्थित रहे, जिन्होनें भी साइबर सुरक्षा संबंधी बारिकियों को जाना और इंदौर पुलिस की इस मुहिम की सराहना करी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)